▪ श्रावण कृष्ण - 12 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 10 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 01-08-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 'बड़े दिल वाला' कप्तान है सूर्यकुमार, जो जोखिम लेने से नहीं डरता : वाशिंगटन सुंदर
6 पाक के नापाक इरादों को तो कुचलना ही होगा
7 काम्या पंजाबी ने मुंबई की बदहाल सड़कों पर निराशा जताई

फर्स्ट टेक

कृष्ण जन्मभूमि मामले में उच्च न्यायालय आज निर्णय सुनाएगा

प्रयागराज/भाषा। मथुरा स्थित कृष्ण जन्मभूमि- शाही ईदगाह विवाद मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय मुकदमों की पोषणीयता को लेकर बृहस्पतिवार को अपना निर्णय सुनाएगा। मुकदमों की पोषणीयता के संबंध में मुस्लिम पक्ष द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने निर्णय सुरक्षित रख लिया था। ये मुकदमे शाही ईदगाह मस्जिद का ढांचा हटाकर जमीन का कब्जा देने और मंदिर का पुनर्निर्माण कराने की मांग को लेकर दायर किए गए हैं। यह विवाद मुगल सम्राट औरंगजेब के समय की शाही ईदगाह मस्जिद से जुड़ा है जिसका निर्माण भगवान कृष्ण की जन्मस्थली पर बने मंदिर को कथित तौर पर ध्वस्त करने के बाद किया गया।

इन्फोसिस को 32,403 करोड़ रुपए की जीएसटी मांग को लेकर नोटिस

नई दिल्ली/भाषा। देश की दूसरी सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस को लगभग 32,403 करोड़ रुपये कथित जीएसटी चोरी को लेकर नोटिस मिला है। कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में कहा कि कर्नाटक राज्य जीएसटी प्राधिकरण ने लगभग 32,403 करोड़ रुपये जीएसटी (माल एवं सेवा कर) भुगतान को लेकर नोटिस दिया है। यह मामला जुलाई, 2017 से मार्च, 2022 के बीच का है। यह इन्फोसिस लि. के विदेशों में स्थित शाखा कार्यालयों के खर्चों से संबंधित है। कंपनी ने कहा कि उसने नोटिस का जवाब दे दिया है। इन्फोसिस के अनुसार, ''...कंपनी को इसी मामले पर जीएसटी आसूचना के महानिदेशक से भी कारण बताओ नोटिस मिला है और कंपनी इसका जवाब देने की प्रक्रिया में है।'' कंपनी का मानना है कि नियमों के मुताबिक ऐसे खर्चों पर जीएसटी लागू नहीं होता है।

उच्च न्यायालय के आदेश के बाद ओडिशा के बंदरगाह पर चीनी जहाज को कब्जे में लिया गया

पारादीप (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा में पारादीप पोर्ट ट्रस्ट के अधिकारियों ने एक चीनी मालवाहक जहाज को कब्जे में लिया है। उच्च न्यायालय ने मौद्रिक विवाद पर जहाज को कब्जे में लेने के आदेश दिया था। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। नौवहन संबंधी कानून के तहत, किसी भी जहाज के स्वामित्व, निर्माण, प्रबंधन, संचालन या व्यापार से उत्पन्न होने वाले समुद्री दावों के क्रियान्वयन के लिए जहाज को कब्जे में लिया जा सकता है।

सूर्यास्त 01-08-2024 6:46 बजे	सूर्योदय 02-08-2024 6:05 बजे
BSE 81,741.34 (+285.95)	NSE 24,951.15 (+93.85)
सोना 7,105 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 85,600 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हर ओर स्खलन

दरके पहाड़ फिसली ट्रेनें,
नेता मर्यादा छोड़ रहे।
इतिहासों को मन मर्जी से,
आए दिन तोड़ मरोड़ रहे।
कुछ दीमक बन कर चाट रहे,
कुछ अलगावी बन फोड़ रहे।
सिस्टम में स्खलन निरंतर है,
सब लोकतंत्र को तोड़ रहे।

बेरोजगारी घटी, महंगाई नियंत्रित, किसी के साथ भेदभाव नहीं : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को राज्यसभा में कहा है कि मोदी सरकार के पिछले दस वर्ष के कार्यकाल में बेरोजगारी घटी है और महंगाई नियंत्रित रही है तथा केंद्रीय बजट 2024-25 में किसी भी राज्य के साथ भेदभाव नहीं किया गया है।

श्रीमती सीतारमण ने सदन में केंद्रीय बजट पर लगभग 20 घंटे की चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि मोदी सरकार का बजट युवाओं, महिलाओं , किसानों और वंचितों के कल्याण पर केंद्रित है। उन्होंने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार के कार्यकाल की तुलना मोदी सरकार की कार्यकाल से करते हुए कहा कि महंगाई की औसत दर छह प्रतिशत से कम रही है। सरकार ने बजट में आम जनता को और राहत देने के लिए दालों, खाद्य तेलों के आयात शुल्क को पांच प्रतिशत तक करने का प्रावधान किया गया है। बजट में मोबाइल फोन और इलेक्ट्रोनिक्स वस्तुओं पर आयात शुल्क कम किया गया है।

अग्निवीर योजना से सेना को युद्ध के लिए तैयार करने और युवा रखने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि अग्निवीर योजना से सशस्त्र बलों को युवा एवं युद्ध के लिए तैयार रखने में मदद मिलेगी और इस विषय पर राजनीति करने की कोई जरूरत नहीं है। इस योजना की आलोचना को खारिज करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि 17.5-21 वर्ष की आयु के युवाओं की भर्ती से वास्तव में सुनिश्चित होगा कि अग्रिम पंक्ति में भारतीय सैनिक हर तरह से तत्पर हैं। उन्होंने उच्च सदन में वित्त वर्ष 2024-25 के बजट पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा, योजना का एक अपेक्षित परिणाम यह है कि 17.5-21 वर्ष की आयु के युवकों की भर्ती करने से सशस्त्र बलों के पास बहुत युवा बल होगा।

वित्त मंत्री ने कहा, और मुझे नहीं लगता कि हमें अनावश्यक रूप से चिंता करने की आवश्यकता है कि इससे किसी प्रकार की विकृति पैदा होगी। बिल्कुल नहीं। सशस्त्र बलों की स्वीकृति के साथ ही इसे लागू किया गया है। उन्होंने कहा, अग्निवीर ऐसी योजना है जिसे हमने अपने सशस्त्र बलों को युद्ध के लिए तैयार रखने और युवा एवं फिट (तंदुरूस्त) लोगों को सेना में लाने की प्रतिबद्धता के साथ लेकर आए हैं।

ईरान में हमास नेता इस्माइल हनियेह की हत्या

हत्या के लिए ईरान और हमास ने इजराइल को जिम्मेदार ठहराया

- ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामनेई ने इजराइल से बदला लेने का संकल्प जताया है।
- फिलहाल किसी ने भी हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन इसका शक इजराइल पर है, जिसने सात अक्टूबर को देश में हुए अप्रत्याशित हमले को लेकर हनियेह और हमास के विभिन्न कमांडरों को मारने का संकल्प लिया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेरूत/एपी। ईरान की राजधानी में तड़के किये गये एक हवाई हमले में हमास के नेता इस्माइल हनियेह की हत्या कर दी गई। ईरान और उग्रवादी समूह हमास ने बुधवार को यह जानकारी दी।

ईरान के राष्ट्रपति के शपथग्रहण में शिरकत के बाद हुई हनियेह की हत्या के लिए ईरान और हमास ने इजराइल को जिम्मेदार ठहराया है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामनेई ने इजराइल से बदला लेने का संकल्प जताया है। हमास ने अपने राजनीतिक ब्यूरो के प्रमुख हनियेह (62) की मौत के लिए इजराइल के हवाई हमले को जिम्मेदार ठहराया। वहीं, ईरान के अर्धसैनिक बल 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' ने कहा कि वह हनियेह की हत्या की जांच कर रहा है। उसने यह नहीं बताया कि हत्या कैसे हुई और हनियेह को किसने मारा।

फिलहाल किसी ने भी हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन इसका शक इजराइल पर है, जिसने सात अक्टूबर को देश में हुए अप्रत्याशित हमले को लेकर हनियेह और हमास के विभिन्न कमांडरों को मारने का संकल्प लिया था।

इजराइल ने अभी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने कहा, हम उनकी (हनियेह) हत्या का बदला लेने को अपना कर्तव्य मानते हैं। खामनेई की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि इजराइल ने हमारे देश में एक प्रिय अतिथि की हत्या करके अपने लिए एक कठोर दण्ड की तैयारी कर ली है।

इज़राइल पर हमला हुआ तो भारी कीमत चुकानी होगी : नेतन्याहू

बेरूत/एपी। इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उनके देश पर किसी भी मोर्चे पर कोई भी हमला हुआ तो भारी कीमत चुकानी होगी। तेहरान में हवाई हमले में हमास के शीर्ष राजनीतिक नेता इस्माइल हनिया के मारे जाने के बाद यह उनका पहला सार्वजनिक बयान था। हमास और ईरान दोनों ने इस चौंकाने वाली घटना के लिए फौरन इजराइल को जिम्मेदार ठहराया जिससे व्यापक क्षेत्रीय युद्ध का खतरा पैदा हो गया है।

केरल भूस्खलन: मृतकों की संख्या बढ़कर 167 हुई, 191 लापता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड (केरल)/भाषा। केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन की घटनाओं में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 167 हो गई है जबकि 191 लोग लापता हैं। बचाव दल ने तलाशी अभियान के दूसरे दिन मलबे में फंसे लोगों को खोजने के प्रयास तेज कर दिए।

उफनती नदियों पर छोटे-छोटे अस्थायी पुल बनाए गए हैं और भूस्खलन प्रभावित वायनाड के इलाकों में मलबे और पत्थरों के ढेर को हटाने के लिए मशीनों की मदद ली जा रही है। सेना के जवान, एनडीआरएफ, राज्य आपात सेवा के जवान और स्थानीय लोगों समेत बचावकर्मी कई इलाकों में बारिश जारी रहने के बावजूद इस कठिन अभियान को अंजाम देने के लिए सभी बाधाओं से जूझ रहे हैं।

कई बार उस वक्त तनावपूर्ण स्थिति भी बनी जब महिलाओं और बच्चों सहित लोगों को उफनती नदियों पर बने संकरे, अस्थायी पुलों के जरिये सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा था।

कुछ स्थानों पर बचावकर्मियों ने लोगों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने के लिए रस्सियों का इस्तेमाल करके पुल बनाए।

केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन कहा, ''वायनाड में बचाव अभियान पूरे जोरों पर जारी है। हमने अपनी धरती पर पहले कभी ऐसे भयानक दृश्य नहीं देखे हैं।''

वायनाड जिला प्रशासन ने भूस्खलन में 167 लोगों की मौत की पुष्टि की है।

भूस्खलन की घटनाएं मंगलवार को तड़के मुंडक्कई, चूरलमाला में हुईं, जिससे अपने घरों में सो रहे लोगों को जान बचाने का मौका तक नहीं मिल सका।

प्रीति सूदन यूपीएससी की नई अध्यक्ष बनायी गई

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने पूर्व स्वास्थ्य सचिव प्रीति सूदन को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की अध्यक्ष नियुक्त किया है। एक सरकारी आदेश में यह जानकारी दी गयी है। इससे पहले मनोज सोनी ने इस महीने के प्रारंभ में यूपीएससी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। सूदन बृहस्पतिवार को यूपीएससी अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करेंगी। वह फिलहाल आयोग की सदस्य हैं। सरकार की ओर से 29 जुलाई को जारी किये गये आदेश में कहा गया है, ''राष्ट्रपति ने यूपीएससी की सदस्य प्रीति सूदन की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

माहौल कांग्रेस के पक्ष में, हमें अति आत्मविश्वास नहीं पालना है : सोनिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने लोकसभा चुनाव के नतीजों का हवाला देते हुए बुधवार को पार्टी नेताओं से कहा कि देश में माहौल पार्टी के पक्ष में है, लेकिन अति आत्मविश्वास और आत्मसंतुष्टि नहीं होनी चाहिए तथा एकजुट होकर काम करना है। उन्होंने कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर तीखा प्रहार किया और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार लोकसभा चुनाव में लगे झटके से सबक लेने के बजाय आज भी विभाजन और डर फैलाने की अपनी नीति पर कायम है।

सीपीपी की बैठक की शुरुआत में, केरल के वायनाड में कल मंगलवार को तड़के हुए भूस्खलन में मारे गए लोगों के और बीते सप्ताह के आखिर में दिल्ली के एक कोचिंग संस्थान में बारिश के पानी में डूबने के कारण जान गंवाने वाले तीन विद्यार्थियों के सम्मान में कुछ देर मौन रखा गया।

संसदीय दल के प्रमुख के तौर पर दिए गए अपने भाषण में सोनिया गांधी ने मोदी सरकार, भाजपा एवं आरएसएस पर तीखे हमले किए। उन्होंने कहा, ''हमें लगता था कि मोदी सरकार लोकसभा चुनाव में लगे बड़े झटके से सही सबक लेगी। इसके बजाय, वह समुदायों को विभाजित करने तथा भय और शत्रुता फैलाने की अपनी नीति पर कायम है।''

सोनिया गांधी ने उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा के मार्ग में दुकानदारों के नाम प्रदर्शित करने के शासनादेश से जुड़े विवाद का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए कहा कि सौभाग्य से उच्चतम न्यायालय ने सही समय पर हस्तक्षेप किया, लेकिन यह केवल एक अस्थायी राहत हो सकती है। उन्होंने दावा किया, ''नौकरशाही को आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति देने के लिए नियमों को अचानक बदल दिया गया। यह संगठन खुद को एक सांस्कृतिक संगठन कहता है लेकिन पूरी दुनिया जानती है कि यह भाजपा का राजनीतिक और वैचारिक आधार है।''

सोनिया गांधी ने महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव तथा जम्मू-कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव की संभावना के मद्देनजर पार्टी नेताओं में जोश भरने का प्रयास किया। उन्होंने कहा, ''कुछ ही महीनों में चार राज्यों में चुनाव होने हैं। हमें लोकसभा चुनाव में बनी स्थिति को बरकरार रखना चाहिए। हमें आत्मसंतुष्ट और अति आत्मविश्वासी नहीं बनना चाहिए। माहौल हमारे पक्ष में है, लेकिन हमें लक्ष्य को ध्यान में रखने की भावना के साथ एकजुट होकर काम करना होगा।''

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि यदि कांग्रेस आगामी चुनावों में भी बेहतर प्रदर्शन करती है तो राष्ट्रीय राजनीति में बदलाव आएगा।

कई गुना बढ़ गई है भारत में रोहिंग्या घुसपैठ : हिमंत बिश्व शर्मा

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि भारत में रोहिंग्या घुसपैठ काफी बढ़ गई है तथा जनसांख्यिकी में बदलाव आने का खतरा वास्तविक और गंभीर है। शर्मा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''रोहिंग्या लगातार भारत-बांग्लादेश सीमा का इस्तेमाल करके भारत में आ रहे हैं और कई राज्य जनसांख्यिकीय बदलाव की समस्या का सामना कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि असम, भारत-बांग्लादेश सीमा के केवल एक हिस्से की पहरेदारी कर रहा है, लेकिन एक बड़ा क्षेत्र अभी भी खुला है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल और झारखंड सरकारें इन घुसपैठियों के प्रति नरम रुख अपना रही हैं और इसे रोकने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की है।

शर्मा ने कहा, ''पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री (ममता बनर्जी) ने बयान दिया था कि राज्य बांग्लादेश से आने वालों को शरण देगा, जिसका पड़ोसी देश की सरकार ने भी समर्थन नहीं किया।'' उन्होंने कहा कि असम और त्रिपुरा सरकारों ने इस मामले में कड़े कदम उठाए हैं और दोनों राज्यों की पुलिस ने कई मौकों पर कई रोहिंग्या घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है।

आबकारी नीति मामला: केजरीवाल, सिसोदिया, के. कविता की न्यायिक हिरासत 13 तक बढ़ी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में एक अदालत ने कथित आबकरी नीति घोटाले से संबंधित धनशोधन के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत बुधवार को 13 अगस्त तक बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता की हिरासत भी 13 अगस्त तक के लिए बढ़ा दी। न्यायाधीश ने इससे संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में सिसोदिया और कविता की न्यायिक हिरासत नौ अगस्त तक बढ़ा दी। इस मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की जा रही है। आरोपियों की न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर अदालत में पेश किये जाने के बाद न्यायाधीश ने यह आदेश पारित किया। अदालत ने 25 जुलाई को धनशोधन मामले में केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 31 जुलाई तक बढ़ा दी थी, जबकि भ्रष्टाचार मामले में उनकी हिरासत आठ अगस्त तक के लिए बढ़ाई गई थी।

पूजा खेडकर की उम्मीदवारी रद्द

नई दिल्ली/भाषा। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने बुधवार को कहा कि उसने परिवीक्षाधीन आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर की उम्मीदवारी रद्द कर दी है और भविष्य में किसी भी परीक्षा में उनके शामिल होने पर रोक लगा दी है। आयोग ने एक बयान में कहा, ''यूपीएससी ने उपलब्ध रिकॉर्ड की सावधानीपूर्वक जांच-पड़ताल की है और उन्हें सीएसई-2022 नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करने का दोषी पाया है।'' इसमें कहा गया है कि सीएसई-2022 (सिविल सेवा परीक्षा-2022) के लिए उनकी अनंतिम उम्मीदवारी ''रद्द'' कर दी गई है और भविष्य में किसी भी परीक्षा में उनके शामिल होने या चयन पर ''स्थायी रूप से रोक'' लगा दी गई है।

राहुल गांधी की जाति पूछने में क्या गलत है? : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कांग्रेस पर जाति विवाद बढ़ाने का आरोप लगाया और कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी की जाति पूछने में क्या गलत है जब वह स्वयं ही सरकारी अधिकारियों, न्यायाधीशों और यहां तक कि पत्रकारों सहित अन्य लोगों की जातियों के बारे में पूछते रहते हैं।

भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए पार्टी सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि भारत में किसी की भी जाति पूछने वाले गांधी अपनी जाति के बारे में पूछे जाने पर इसे बुरा मानते हैं।

पात्रा ने कहा, ''पहले मैं स्पष्ट कर दूं कि अनुराग ठाकुर ने किसी का नाम नहीं लिया और किसी का नाम लिए बगैर कहा कि जिसकी जाति नहीं मालूम वह जाति के बारे में पूछ रहा है। तब (लोकसभा) के 542 सदस्यों में से केवल एक ने इसका विरोध किया और उनके समर्थन में सभी कांग्रेस सदस्य खड़े हो गए।'' उन्होंने कहा, ''हालांकि उनका नाम नहीं लिया गया, लेकिन अगर उस व्यक्ति की जाति के बारे में पूछा जाए तो इसमें क्या गलत है, जो भारत में किसी की भी जाति पूछ सकता है।''

पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी ने पहले भी न्यायाधीशों, सैनिकों, पत्रकारों की जाति के बारे में पूछा और लोकसभा में बजट पूर्व हलवा समारोह में भाग लेने वाले अधिकारियों की जाति पूछी।

भारत में पशुओं के लिए चारे की कमी है : केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने बुधवार को कहा कि भारत में पशुओं के लिए चारे की आपूर्ति का संकट है।

सिंह ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया ''देश में चारे की कमी है। आईसीएआर-भारतीय चरागाह और चारा अनुसंधान संस्थान (आईजीएफआरआई) झांसी ने अनुमान लगाया है कि देश में हरे और सूखे चारे की क्रमशः 11.24-32 प्रतिशत और 23 प्रतिशत की कमी है।'' उनसे पूछा गया था कि क्या सरकार पशु चारे की कमी से अवगत है?

सिंह ने बताया कि पशुपालन और डेयरी विभाग 2014-15 से चारा और चारा विकास पर एक उप मिशन के साथ केंद्र प्रायोजित योजना राष्ट्रीय पशुधन मिशन को लागू करके राज्य सरकारों द्वारा किए गए प्रयासों को मदद दे रहा है। उन्होंने बताया कि भारतीय चरागाह और चारा अनुसंधान संस्थान (आईजीएफआरआई झांसी-आईसीएआर) ने 25 राज्यों के लिए चारा संसाधन विकास योजना तैयार की है, ताकि राज्यों में उनके फसल पद्धति और पशुधन प्रजातियों के आधार पर चारे की उपलब्धता बढ़ाई जा सके। एक अलग प्रश्न के उत्तर में, सिंह ने कहा कि देश में दूध का उत्पादन 2018-19 में 18.77 करोड़ टन से बढ़कर 2022-23 में 23.06 करोड़ टन हो गया है। उन्होंने कहा कि देश में सबसे अधिक दूध उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और आंध्र प्रदेश हैं।

आर्थिक वृद्धि, रोजगार के बीच संतुलन साधता है बजट: सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि बजट में आर्थिक वृद्धि, रोजगार, पूंजी निवेश और राजकोषीय मजबूती के बीच बेहतर संतुलन स्थापित किया गया है।

सीतारमण ने राज्यसभा में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए यह भी कहा कि बजट भाषण में किसी राज्य का नाम नहीं होने का मतलब यह नहीं है कि उन्हें कोई पैसा नहीं मिला है। विपक्ष संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन कर वास्तव में दुष्प्रचार करने का का काम कर रहा है। उन्होंने कहा , ''बजट में आर्थिक वृद्धि, रोजगार, पूंजी निवेश और राजकोषीय मजबूती के बीच बेहतर संतुलन स्थापित किया गया है। यह आर्थिक वृद्धि को गति देने के साथ रोजगार बढ़ाने वाला है।'' सीतारमण ने कहा, ''बजट में सहकारी संघवाद पर जोर है। वित्त वर्ष 2024-25 में राज्यों को 22.91 लाख करोड़ रुपये दिए गए जो पिछले वर्ष की तुलना में 2.49 लाख करोड़ रुपये अधिक हैं।'' वित्त मंत्री ने कहा, ''अगर बजट भाषण में किसी राज्य का नाम नहीं है तो इसका यह मतलब नहीं कि उसके लिए बजट में कोई आवंटन नहीं है।'' उन्होंने कहा कि बजट में हर राज्य के लिए धन का आवंटन किया गया है। उन्होंने कहा, ''अगर पीछे के बजट को देखा जाए तो संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन)

सरकार ने भी अपने बजट भाषण में सभी राज्यों के नामों का उल्लेख नहीं किया था।'' सीतारमण ने कहा, ''2004-05 के बजट में 17 राज्यों का नाम नहीं लिया गया। वहीं 2009-10 के पूर्ण बजट में 28 राज्यों का नाम नहीं था। उनके कार्यकाल में अन्य बजट भाषण में भी कई राज्यों का उल्लेख नहीं था। क्या उन राज्यों को पैसा नहीं मिला?''

विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्रीय करों में हिस्सेदारी वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार दी जाती है और केंद्र सरकार उसका पूरी तरह से पालन कर रही है। उन्होंने कहा, ''यह साफ होना चाहिए कि राज्यों को राशि शुद्ध कर राजस्व के आधार पर दी जाती है न कि सकल कर राजस्व के आधार पर। उपकर, सब्सिडी और कर संग्रह लागत घटाकर शुद्ध कर राजस्व का निधार्रण नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षा (कैग) करता है।''

सीतारमण ने कहा, ''इसके उलट राजग सरकार ने राज्यों का जो भी बकाया है, उसका भुगतान समय पर किया है।'' 10 साल में नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार का पूंजीगत व्यय 43.82 लाख करोड़ रुपये रहा जो एक दशक पहले संप्रग शासन के दौरान 13.19 लाख करोड़ रुपये था। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार राजकोषीय घाटे के लक्ष्य हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। चालू वित्त वर्ष में इसे जीडीपी के 4.9 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य है।

बोइंग को दूसरी तिमाही में 1.4 अरब डॉलर का घाटा, नया सीईओ नियुक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिकागो (अमेरिका)/एपी। अमेरिका की विमान बनाने वाली कंपनी बोइंग को दूसरी तिमाही में 1.4 अरब डॉलर से अधिक का घाटा हुआ है। इसके साथ ही कंपनी ने अपने नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि रॉकवेल कॉलिन्स के पूर्व सीईओ 64 वर्षीय रॉबर्ट 'केली' ऑर्टबर्ग अगले सप्ताह बोइंग के सीईओ के रूप में कामकाज संभालेंगे।

बोइंग का घाटा काफी अधिक रहा है जबकि आमदनी वॉल स्ट्रीट की उम्मीदों से कम रही है। राजस्व में एक साल पहले की तुलना में 15 प्रतिशत की गिरावट आई है और इसके वाणिज्यिक-विमान कारोबार और रक्षा इकाई दोनों को नुकसान हुआ।

निराशाजनक परिणाम बोइंग के लिए उथल-पुथल भरे समय में आए हैं। कंपनी ने 'मैक्स' के संबंध में धोखाधड़ी के लिए दोषी होने की दलील पर सहमति व्यक्त की है। इनमें से दो विमान दुर्घटनाग्रस्त हुए थे, जिसमें 346 लोग मारे गए थे।

राज्यसभा में उठी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में संस्कृत को अनिवार्य विषय बनाए जाने की मांग

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बुधवार को संस्कृत की उपेक्षा पर चिंता प्रकट करते हुए इस प्राचीन भाषा को प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में अनिवार्य विषय बनाने और विश्वविद्यालयों में इसके पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने तथा शोध के लिए विशेष अनुदान देने की मांग उठी।

उत्तर प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य दिनेश शर्मा ने शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए सरकार से संस्कृत साहित्य के डिजिटल स्वरूप का प्रचार-प्रसार करने, संस्कृत ग्रंथों के ऑनलाइन कोर्स आरंभ करने और इस भाषा में नाटकों, गीत और संगीत कार्यक्रमों के आयोजन को बढ़ावा देने की भी गुजारिश की। संस्कृत भाषा को देश की सांस्कृतिक धरोहर और अद्वितीय स्रोत करार देते हुए शर्मा ने कहा कि इसका साहित्य अत्यंत समृद्ध और विविधतापूर्ण है और यहां तक कि वेद, उपनिषद, महाभारत, रामायण जैसे अनेक ग्रंथ भी संस्कृत में ही लिखे गए हैं। उन्होंने कहा कि इनका अध्ययन आज भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है और यह सभी ग्रंथ पुरातन ज्ञान और विज्ञान के महत्वपूर्ण स्रोत हैं तथा इसमें निहित ज्ञान आज भी प्रासंगिक है। शर्मा ने कहा कि भारतवर्ष में आदिकाल से ही संस्कृत बोलचाल की भाषा रही है और तमाम भाषाएं संस्कृत भाषा से ही उत्पन्न हुई हैं।

संस्कृत को अन्य सभी भाषाओं की जननी करार देते हुए भाजपा सदस्य ने कहा कि वर्तमान समय में कुछ प्रदेशों में इसकी उपेक्षा बहुत ही चिंताजनक है। उन्होंने कहा, ''आधुनिक शिक्षा प्रणाली और पश्चिमी प्रभाव के कारण संस्कृत भाषा का अध्ययन दिन प्रतिदिन प्रचलन से दूर होता जा रहा है। विश्वविद्यालयों में संस्कृत के प्रति रुचि घटती जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप हमारी युवा पीढ़ी अपने प्राचीन ज्ञान से वंचित हो रही है।'' शर्मा ने कहा कि नई शिक्षा नीति में संस्कृत भाषा के उन्नयन का उल्लेख प्रसन्नता का विषय है लेकिन वह इसकी उपेक्षा की स्थिति को सुधारने के लिए कुछ सुझाव देना चाहते हैं।

भारत, वियतनाम मुक्त व्यापार समझौते की संभावना तलाशें: वियतनामी प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह ने भारत के साथ आर्थिक सहयोग मजबूत करने के लिए बुधवार को मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की संभावनाएं तलाशने का अनुरोध किया। चिन्ह इस समय एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की यात्रा पर आए हुए हैं।

इस प्रतिनिधिमंडल में कई मंत्री, उप मंत्री और व्यापार जगत के दिग्गज शामिल हैं। उन्होंने वियतनाम-भारत व्यापार मंच को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देशों को अपना द्विपक्षीय व्यापार 20 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने उद्योग मंडल फिक्की की तरफ से आयोजित 'बिजनेस फोरम' में कहा, ''मैं आपसे अनुरोध करना चाहूंगा कि हम वियतनाम और भारत के बीच एक उपयुक्त एफटीए के माध्यम से एक-दूसरे के उत्पादों तक अपनी बाजार पहुंच बढ़ाएं। निश्चित तौर पर हमें इसपर चर्चा करने की जरूरत है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि हमारे लाभ एक-दूसरे के साथ साझा किए जाएं।''

इसके साथ ही वियतनामी प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि भारत की कंपनियां वियतनाम में निवेश करना जारी रखेंगी और पहले से अधिक निवेश करेंगी। उन्होंने दोनों देशों की कंपनियों से मिलकर काम करने, द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाकर 20 अरब डॉलर तक ले जाने के लिए बेहतर समाधान लाने और परिवहन, ऊर्जा, डिजिटल और जलवायु अवसंरचना समेत रणनीतिक अवसंरचना पर ध्यान केंद्रित करते हुए मजबूत सहयोग जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने अहमदाबाद और दा नांग (वियतनाम) के बीच नए उड़ान मार्ग के शुभारंभ समारोह में भी शिरकत की।

कांग्रेस दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी, 'आप' से कोई गठबंधन नहीं होगा: यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि पार्टी आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के साथ गठबंधन के कारण पार्टी को लोकसभा चुनाव में नुकसान हुआ है।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी) प्रमुख यादव ने मंगलवार को 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा कि पार्टी शहर में लोगों तक पहुंच बनाने के लिए 'भारत जोड़ो यात्रा' की तर्ज पर 'दिल्ली जोड़ो यात्रा' निकालने की भी योजना बना रही है। यादव ने कहा, ''गठबंधन (आप के साथ) देश के व्यापक हित में किया गया था, लेकिन अब जब हमने इसका मूल्यांकन किया है, तो हमें लगता है कि इससे कहीं न कहीं हमें नुकसान हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस ने फैसला किया है कि वह विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। हम विभिन्न कार्यक्रमों पर काम कर रहे हैं, चाहे वह संगठन को मजबूत करना हो या जनता से जुड़ने का कार्यक्रम हो। 'दिल्ली जोड़ो यात्रा' इन कार्यक्रमों के तहत निकाली जायेगी। यादव ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस 'भारत जोड़ो यात्रा' और 'न्याय यात्रा' की तर्ज पर इस यात्रा की तैयारी कर रही है और यह जल्द ही शुरू होगी।

भाजपा सरकार गरीब और मध्यवर्ग की 'खाली जेब' भी काट लेने पर आमादा: प्रियंका वाद्रा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाद्रा ने बैंक खातों में ग्राहकों द्वारा न्यूनतम जमाराशि नहीं रखने पर जुर्माना लगाने को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उद्योगपति मित्रों के 16 लाख करोड़ रुपये माफ करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार गरीब और मध्यवर्ग की खाली जेब भी काट लेने पर आमादा है।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को लोकसभा को एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि सरकारी बैंकों ने वित्त वर्ष 2024 में औसत मासिक न्यूनतम जमाराशि नहीं रखने के लिए जमाकर्ताओं पर 2,331 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है।

प्रियंका ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आम गरीब जनता के पास पैसा न होने के जुर्म में उनपर जुर्माना लगाकर पैसे वसूलना संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। पांच साल में सरकारी बैंकों ने न्यूनतम बैलेंस न रखने के लिए आम लोगों से 8,500 करोड़ रुपये वसूले।'' उन्होंने कहा, ''बैंक में न्यूनतम बैलेंस न रख पाने की समस्या उन तबकों की है, जिनके पास पैसे नहीं हैं, कमाई सीमित है और जैसे-तैसे करके परिवार पालते हैं। इंदिरा गांधी जी ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया था ताकि गरीबों की मदद हो, न कि उनसे वसूली की जाए।''

कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया कि उद्योगपति मित्रों के 16 लाख करोड़ रुपये माफ करने वाली भाजपा सरकार गरीब और मध्यवर्ग की खाली जेब भी काट लेने पर आमादा है।

प्रधानमंत्री के खिलाफ चन्नी के नोटिस पर आगे कदम उठाए जाने की संभावना नहीं : सूत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर के लोकसभा में दिए भाषण को साझा करने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव के नोटिस पर आगे कदम उठाए जाने की संभावना नहीं है, क्योंकि जिस टिप्पणी का उल्लेख इसमें किया गया है वो सदन की कार्यवाही से हटाई ही नहीं गई है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह बात कही।

सूत्रों ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता के मंगलवार के भाषण के दौरान कांग्रेस सदस्यों की मुख्य आपत्ति इस बात को लेकर थी, जिसमें नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की जाति पर सवाल उठाए गए थे। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस का विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव का नोटिस पूर्व केंद्रीय मंत्री के भाषण के इस हिस्से पर आधारित है, तो यह वैध नहीं हो सकता, क्योंकि उस हिस्से को कार्यवाही से कभी हटाया ही नहीं गया। सूत्रों का यह भी कहना है कि ठाकुर ने अपने संबोधन में किसी का नाम नहीं लिया, जब उन्होंने कहा कि ''जिनकी जाति पता नहीं, वो गणना की मांग कर रहे हैं''।

सूत्रों ने कहा कि ठाकुर की इस टिप्पणी को कार्यवाही से हटाया नहीं गया है, क्योंकि इसमें सीधे तौर पर किसी का जिक्र नहीं था। उन्होंने ने बताया कि ठाकुर के भाषण का एकमात्र हिस्सा जिसे हटाया गया, वह ''झूठ'' शब्द का इस्तेमाल था, जिसे सदन के नियमों के अनुसार असंसदीय माना जाता है। सूत्रों ने कहा कि यह विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव का मामला ही नहीं बनता, हालांकि इस मामले में अंतिम निर्णय लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लेना है।

भाजपा से जुड़े सूत्रों ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत कांग्रेस सांसदों द्वारा ऐसे भाषणों के वीडियो लिंक साझा करने का इतिहास रहा है, जिसके बड़े हिस्से कार्यवाही से हटा दिए जाते हैं।

इंदौर में बेसमेंट में चल रहे कोचिंग संस्थान हटेंगे, संचालकों पर दर्ज होगा मामला : जिलाधिकारी

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर में प्रशासन के एक शीर्ष अधिकारी ने बुधवार को कहा कि शहर में 'बेसमेंट' (तलघर) में अवैध तौर पर संचालित हो रहे कोचिंग संस्थानों और पुस्तकालयों को हटाया जाएगा और उनके संचालकों पर प्राथमिकी भी दर्ज कराई जाएगी। अधिकारी ने बताया कि दिल्ली में भारी बारिश के बाद एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर जाने से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन अभ्यर्थियों की मौत के मद्देनजर इंदौर में बेसमेंट में संचालित हो रहे 15 से ज्यादा कोचिंग संस्थानों और पुस्तकालयों को सील कर दिया गया है। जिलाधिकारी आशीष सिंह ने संवाददाताओं को बताया, ''दिल्ली की घटना से सबक लेते हुए हम इंदौर में बेसमेंट में संचालित हो रहे कोचिंग संस्थानों और पुस्तकालयों की विस्तृत जांच कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि शहर में उचित सुरक्षा इंतजामों के बिना बेसमेंट में संचालित अध्ययन संस्थानों को सील किया जा रहा है।

कोचिंग सेंटरों से विद्यार्थियों को बाहर लाना ही होगा और हम इसके लिए समुचित प्रयास करेंगे : प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि कोचिंग सेंटरों से विद्यार्थियों को बाहर लाना ही होगा और सबके सहयोग से इसके लिए समुचित प्रयास किए जाएंगे।

उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान प्रधान ने कहा कि विद्यार्थी प्रतिस्पर्धा में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए कोचिंग संस्थानों की मदद लेते हैं। उन्होंने कहा ''लेकिन हम चाहते हैं कि कोचिंग संस्थान न हों और इसके लिए जरूरी है कि स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई हो। सरकारी स्कूलों को बढ़ावा दिया जाए। केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय इसकी मिसाल हैं।''

पूरक प्रश्नों के जवाब में प्रधान ने कहा ''कोचिंग सेंटर न हों, इसके लिए सबका सहयोग जरूरी है। अनेक राज्यों में पढ़ाई को लेकर बेहतर स्थान हैं। राजस्थान में सीकर ने बहुत ही बढ़िया

काम अध्ययन में किया है। इसी तरह से मेहनत करनी होगी और सबका सहयोग लेकर हमें विद्यार्थियों को कोचिंग संस्थानों से बाहर लाना होगा।'' शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की संसद के प्रति जवाबदेही के बारे में प्रश्न पूछा जिसके जवाब में प्रधान ने कहा ''एनटीए की संसद के प्रति जवाबदेही के बारे में सवाल पूछा गया। इस प्रश्न को पूछने की अनुमति दी गई और मैं इससे संबंधित सवाल का संसद में जवाब दे रहा हूं, यही तो संसदीय जवाबदेही है।'' उन्होंने कहा कि एक निकाय कई तरह की परीक्षाएं ले सके, इसके लिए एनटीए के बारे में सोचा गया। 2017 से शुरूआत हुई और 2018 में इसने आकार लिया। उन्होंने कहा कि छह साल में पांच करोड़ से अधिक विद्यार्थियों ने परीक्षाएं दीं और अच्छे संस्थानों में उन्हें प्रवेश मिला। उन्होंने कहा कि ढाई सौ से अधिक परीक्षाएं हुईं। उन्होंने कहा कि महत्वाकांक्षी समाज का एक वर्ग है क्योंकि 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे और सबकी इच्छा है कि वे आगे बढ़ें। शिक्षा आगे बढ़ने का माध्यम है। प्रधान ने कहा कि जब नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने तब देश में मेडिकल कालेजों में सीटों की संख्या 51,000 थी जो दस साल में बढ़ कर एक लाख दस हजार हो गई हैं। प्रधान ने कहा ''सरकार सभी तरह की जवाबदेही के साथ शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता जताती है। हमारी सरकार ज्यादातर जिलों में मेडिकल कालेज खोलने के लिए प्रतिबद्ध है।'' राजद के प्रोफेसर मनोज कुमार झा ने जानना चाहा कि क्या एनटीए के कामकाज की निगरानी की कोई व्यवस्था है। प्रधान ने कहा कि एनटीए परीक्षा करवाती है और ''प्रश्नों के आकलन की एक व्यवस्था होती है और तय किया जाता है कि प्रश्न कैसे हों। यह आकलन समय-समय पर किया जाता है।''

कार्यस्थल पर करीब 42 प्रतिशत महिला कर्मचारी भेदभाव की शिकार: रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। करीब 42 प्रतिशत महिलाओं को कार्यस्थल पर भेदभाव का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद कॉरपोरेट क्षेत्र में कार्यरत 90 प्रतिशत महिलाएं अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए 'अतिरिक्त मेहनत' करने को तैयार हैं। एक सर्वेक्षण में यह निष्कर्ष सामने आया है।

वैश्विक पेशेवर सेवा फर्म एऑन ने '2024 वॉयस ऑफ वुमेन स्टडी इंडिया' शीर्षक से जारी अध्ययन रिपोर्ट में कहा है कि कॉरपोरेट नौकरी कर रही 42 प्रतिशत महिलाओं ने कार्यस्थल पर पक्षपात या संभावित पक्षपात का सामना करने की बात कही है।

वहीं 37 प्रतिशत महिला कर्मचारियों को असंवेदनशील व्यवहार का अनुभव भी करना पड़ा है। हालांकि, 90 प्रतिशत से अधिक महिलाओं ने कहा कि वे प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए अतिरिक्त समय देने, चुनौतीपूर्ण कामों के लिए खुद आगे आने और खुद को बेहतर बनाने के लिए तैयार हैं। सर्वेक्षण में शामिल करीब छह प्रतिशत महिलाओं ने कम-से-कम एक बार यौन उत्पीड़न का सामना करने की पीड़ा भी जताई है। हालांकि, इनमें से आधे से भी कम महिला कर्मचारियों ने आधिकारिक तौर पर अपने नियोक्ता को इस घटना की सूचना दी। एऑन का अध्ययन भारत में 560 से अधिक कंपनियों की लगभग 24,000 पेशेवर महिलाओं से मिले जवाबों पर आधारित है।

अध्ययन के मुताबिक, तीन-चौथाई कामकाजी महिलाओं ने कहा कि मातृत्व अवकाश के बाद उन्हें एक-दो साल के लिए करियर में झटका झेलना पड़ा। वहीं करीब 40 प्रतिशत महिलाओं को मातृत्व अवकाश पर जाने से वेतन पर नकारात्मक असर देखने को मिला और उनकी भूमिका को भी बदल दिया गया। वरिष्ठ प्रबंधन और नेतृत्व की भूमिकाओं में मौजूद 34 प्रतिशत महिलाओं ने भी भेदभाव के संकेत दिए जबकि शुरुआती स्तर की नौकरियों में 17 प्रतिशत महिलाओं को पक्षपात झेलना पड़ा। इसका असर यह हुआ कि पक्षपात की शिकार लगभग 21 प्रतिशत महिलाओं ने एक वर्ष से भी कम समय में संगठन छोड़ने का संकेत दिया।

एऑन के लिए भारत में मुख्य कार्यपालक अधिकारी (प्रतिभा समाधान) नितिन सेठी ने कहा, ''कार्यस्थल पर पक्षपात व्यवसायों के कुशल और प्रतिबद्ध महिलाओं को कार्यबल में शामिल करने और बनाए रखने के प्रयासों में बाधा बन रहा है... समावेशी कार्य संस्कृति का निर्माण नेतृत्व की प्राथमिकता में होना चाहिए।''

रोजगार सृजन के लिए सरकारी योजनाओं का इस्तेमाल करे निजी क्षेत्र : आनंद महिंद्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने बुधवार को कहा कि भारत के निजी क्षेत्र को अगले दशक में देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए सरकार की हाल में घोषित योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। इनमें पहले रोजगार के लिए नई नौकरियां सृजित करना और नई नियुक्तियां शामिल है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एमएंडएम) की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए उन्होंने दोहराया कि वृद्धि और समृद्धि रोजगार सृजन से प्रेरित होनी चाहिए। यह निजी क्षेत्र और सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है तथा रोजगार सृजन के लिए व्यापक प्रयास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि रोजगार तथा

कौशल बढ़ाना प्रमुख राष्ट्रीय प्राथमिकताएं हैं, जिसपर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने 2024-25 बजट भाषण में जोर दिया है। महिंद्रा ने कहा, '' भारत को वैश्विक महामारी के बाद दुनिया में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन से फायदा मिला है...हमारी वृद्धि तथा समृद्धि को रोजगार सृजन द्वारा संचालित किया जाना चाहिए। यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है और भारतीय निजी क्षेत्र ने हमेशा राष्ट्र निर्माण में सरकार के साथ भागीदारी की है।'' उन्होंने कहा, '' हमारे जनसांख्यिकीय लाभांश का फायदा उठाने के लिए आवश्यक रोजगार सृजन हेतु व्यापक प्रयास जरूरी है।'' उन्होंने कहा, '' अगले दशक में हमारी अर्थव्यवस्था को सही मायने में गति देने के लिए, निजी क्षेत्र को इन योजनाओं का इस्तेमाल करना चाहिए। नई नौकरियों का सृजन करना चाहिए, जिससे अर्थव्यवस्था पर प्रत्यक्ष तथा गुणात्मक प्रभाव के जरिये सकारात्मक असर पड़ेगा।''

कंपनी की भविष्य की योजनाओं पर उन्होंने कहा, '' हम भविष्य को लेकर उत्साहित हैं...जबकि हम विनिर्माण क्षमता निर्माण में निवेश करना जारी रखेंगे, हमें रोजगार सृजन में निजी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में भी जागरूक रहना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि अगले तीन वर्षों में एमएंडएम की 37,000 करोड़ रुपये की निवेश योजना समूह की वृद्धि तथा नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

लिंगायत उद्यमियों को वित्तपोषित करने के लिए आईएलवाईएफ सौहार्द क्रेडिट बैंक की स्थापना करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में जाने-माने उद्यमी डॉ. चिन्मय चिगटेरी ने रविवार को यहां वार्षिक साधारण बैठक में अंतर्राष्ट्रीय लिंगायत युवा फोरम (आईएलवाईएफ) के अध्यक्ष का पदभार संभाला। आईएलवाईएफ एक समर्पित व्यावसायिक नेटवर्किंग वाला संस्थान है जिसे, विशेष रूप से लिंगायत समुदाय से संबंधित उद्यमियों के लिए गठित किया गया है। अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद संबोधित करते हुए डॉ. चिन्मय चिगटेरी ने आगामी वर्ष के दौरान हासिल किए जाने वाले तीन कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, हम उद्यमियों के लिए एक फंडिंग डेस्क बनाने का इरादा रखते हैं। दूसरा, हम आईएलवाईएफ सौहार्द क्रेडिट बैंक की स्थापना करने का इरादा रखते हैं और तीसरा, हम अपनी गतिविधियों का विस्तार अब उन देशों में भी करेंगे जहां, हमारी उपस्थिति नहीं है। वर्ष 2012 में अपनी स्थापना के बाद से, आईएलवाईएफ ने अपनी पहुंच और प्रभाव का विस्तार किया है और दुनिया भर के कई देशों में अपनी उपस्थिति स्थापित की है। आईएलवाईएफ ने व्यावसायिक गतिविधियों को सुविधाजनक बनाया है, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 5000 करोड़ रुपये का सामूहिक कारोबार हुआ है।

प्रधानमंत्री से मिले शिवकुमार, कर्नाटक के लिए अधिक धन की मांग रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उप- मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राष्ट्रीय राजधानी में मुलाकात की और राज्य में सिंचाई परियोजनाओं एवं बेंगलूरु के विकास के लिए अधिक धनराशि दिए जाने की मांग रखी। शिवकुमार ने प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा कि कर्नाटक सरकार ने बेंगलूरु का गिफ्ट सिटी की तर्ज पर विकास किए जाने का अनुरोध किया था।

उन्होंने कहा, राज्य सरकार के उस अनुरोध पर सकारात्मक रूप से विचार नहीं किया गया था लिहाजा हमने सुरंग परियोजना, सिग्नल-मुक्त गलियारे, बेंगलूरु में मुख्य सड़कों और वर्षा-जल निकासी नालियों के विकास के साथ-साथ सिंचाई परियोजनाओं के लिए और अधिक धन की मांग की है। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि बेंगलूरु राष्ट्रीय खजाने में दूसरा सबसे अधिक कर देने वाला शहर है लेकिन हाल के केंद्रीय बजट में इसे कुछ भी नहीं मिला है।

उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में कर्नाटक को इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी, हेब्बाल और नेलमंगला में फ्लाईओवर के लिए धन मिला था। उन्होंने इस मुलाकात पर कहा, प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में केवल एक गिफ्ट सिटी (गुजरात) ही स्थापित की जा सकती है।

इसलिए, हमने बेंगलूरु में शुरू की जाने वाली कई बड़ी परियोजनाओं में केंद्रीय सहायता के लिए अनुरोध किया है। हमने बेंगलूरु को बेहतर बुनियादी ढांचे की जरूरत पर जोर दिया है क्योंकि लाखों लोग बाहर से आ रहे हैं, जिससे बुनियादी ढांचे पर दबाव पड़ रहा है।

शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने ऊपरी भद्रा परियोजना के लिए पिछले बजट में 5,300 करोड़ रुपये देने के बावजूद केंद्र द्वारा कोई धन जारी नहीं करने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रिमंडल की अगली बैठक में इस मुद्दे को उठाने का वादा किया है।

नई दिल्ली में बुधवार को कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

कर्नाटक के राज्यपाल ने 'एमयूडीए घोटाले' पर मुख्यमंत्री से मांगा 'जवाब'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से उनकी पत्नी पार्वती समेत विभिन्न लोगों को मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा किये गये भू-आवंटन के संबंध में लगाये गये आरोपों पर 'जवाब' मांगा है। कांग्रेस के सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह कदम भाजपा विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा 25 जुलाई को राज्यपाल से मुलाकात करने और उन्हें एक ज्ञापन सौंपने के बाद उठाया गया है। भाजपा ने इस ज्ञापन में एमयूडीए मामले की जांच सीबीआई को सौंपने तथा मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की थी।

राजभवन के सूत्रों ने कहा, 'चूंकि एक ज्ञापन सौंपा गया है, तो ऐसे में मुख्यमंत्री से जवाब मांगना राज्यपाल के लिए जरूरी हो जाता है। उसी अनुसार, राज्यपाल ने मुख्यमंत्री से इसपर जवाब देने को कहा है।'' राज्यपाल के कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए गृहमंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि यह विश्वास करने की वजह है कि यह राजनीति से प्रेरित है। परमेश्वर ने बागलकोटे में संवाददाताओं से कहा, उन्हें (गहलोत को) कुछ संवैधानिक शक्तियां दी गई हैं। उन्हें इसके दायरे में रहकर काम करना चाहिए। अगर वह इसकी सीमा लांघेंगे तो संदेह पैदा होगा। संदेह है कि राजनीति हो रही है।

उन्होंने कहा, ''राज्यपाल ने कारण बताओ नोटिस जारी करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। हमें इसे राजनीति से प्रेरित मानना ही होगा।'' कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री एवं जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियंक खरगे ने आरोप लगाया कि राज्यपाल (पद) का 'भाजपा दुरुपयोग' कर रही है।

खरगे ने संवाददाताओं से कहा, ''आपने तमिलनाडु, इससे पहले महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में राज्यपालों को देखा है। कुछ स्थानों पर ये राज्यपाल अपने संवैधानिक पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। यहां तक कि उच्चतम न्यायालय ने भी (इस संबंध में) अपनी टिप्पणियां की हैं। इस बारे में कई लेख भी प्रकाशित हुए हैं कि किस तरह राज्यपाल अपनी सीमाओं से आगे जाकर सरकार के कामकाज में दखल दे रहे हैं।'' मंत्री ने कहा, ''ऐसा लगता है कि यहां भी वही हो रहा है। हम पहले ही कह चुके हैं कि आयकर विभाग (आईटी) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का इस्तेमाल किया जा रहा है। क्या ऐसा नहीं है कि वे (भाजपा) उनका (राज्यपालों का) इस्तेमाल कर रहे हैं।'' उनका कहना था कि ऐसा कोई उदाहरण नहीं है कि ज्ञापन सौंपे जाने के तत्काल बाद राज्यपाल ने जवाब मांगा हो। उन्होंने कहा, ''बेल्लारी खनन घोटाले के दौरान राज्यपाल के पास कार्रवाई करने के लिए मजबूत साक्ष्य थे, लेकिन एमयूडीए मामले में कुछ भी नहीं है।''

खरगे ने कहा, ''भाजपा के पास आयकर और प्रवर्तन निदेशालय को अपने विरोधियों के पीछे छोड़ देने तथा राज्यपालों का दुरुपयोग करने की एक मानक संचालन प्रक्रिया है।''

भाजपा को झटका देकर सरकार के खिलाफ प्रस्तावित मार्च से पीछे हटी जद (एस)

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की पत्नी समेत विभिन्न लोगों को मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) की ओर से भूमि के आवंटन में हुईं कथित अनियमितताओं के खिलाफ विपक्ष के प्रस्तावित पैदल मार्च से जनता दल (एस) पीछे हट गया है और पार्टी नेता एच डी कुमारस्वामी ने भाजपा पर निशाना साधा है। जद(एस) के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि पैदल मार्च के बारे में उनकी पार्टी को भरोसे में नहीं लिया गया। उन्होंने इस मार्च का नेतृत्व करने वालों में हासन जिले के एक नेता को शामिल करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा।

विपक्षी दल भाजपा के नेताओं ने कहा था कि उनकी पार्टी और जद(एस) ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती समेत विभिन्न लोगों को मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) की ओर से भूमि के आवंटन में हुईं कथित अनियमितताओं के खिलाफ तीन से 10 अगस्त तक पैदल मार्च निकालने का फैसला किया है। कुमारस्वामी ने पैदल मार्च के संबंध में जद(एस) की ओर से भाजपा को नैतिक समर्थन देने से भी इनकार किया।

उन्होंने दिल्ली में पत्रकारों से कहा, ''हम हरगिज (नैतिक समर्थन) नहीं देंगे।'' उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी को भाजपा ने इस तथ्य के बावजूद विश्वास में नहीं लिया कि जिन क्षेत्रों से पैदल मार्च गुजरना था, वे जद(एस) के गढ़ हैं। पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा की पार्टी जद (एस) पिछले साल भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हुई थी। दोनों पार्टियों ने राज्य में हालिया लोकसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ा था।

उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब लोग भारी बारिश के बाद कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं, कई लोग बेघर हो गए हैं और सैकड़ों गांव जलमग्न हो गए हैं, तब इस तरह का पैदल मार्च आयोजित करने का यह उचित समय नहीं है। इसलिए, हम पीछे हट गए हैं। उन्होंने कहा, फिलहाल, हमें लोगों का दर्द साझा करना है। मुझे नहीं पता कि (इन परिस्थितियों में पैदल मार्च की) कौन सही ठहराएगा।

उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वालों में हासन के पूर्व भाजपा विधायक प्रीतम गौड़ा को चुनने के भाजपा के कदम से वह आहत हुए हैं। उन्होंने कहा, वह प्रीतम गौड़ा कौन हैं? प्रीतम गौड़ा ने देवेगौड़ा के परिवार को खत्म करने का साहस किया। वे (भाजपा नेता) मार्च की तैयारियों पर चर्चा करने के लिए उन्हें (प्रीतम गौड़ा को) को बैठक में बुलाते हैं और मुझे उनके बगल में बैठने के लिए कहते हैं... एक ऐसा व्यक्ति जिसने मेरे परिवार को जहर दिया.. पेन ड्राइव बांटने का जिम्मेदार कौन है। मेरी सहनशीलता की भी एक सीमा है। कुमारस्वामी ने गुस्से में पूछा, क्या वे उनका समर्थन कर रहे हैं। क्या वे नहीं जानते कि हासन में क्या हुआ था। कौन जिम्मेदार था। वह हालिया लोकसभा चुनावों से पहले हासन में बड़े पैमाने पर पेन-ड्राइव बांटे जाने का जिक्र कर रहे थे, जिसमें कथित तौर पर उनके भतीजे प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े वीडियो थे।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने भूस्खलन पीड़ितों के लिए कॉरपोरेट्स से दिल खोल कर दान देने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को कॉरपोरेट जगत से पड़ोसी राज्य केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन से बड़ी संख्या में प्रभावित लोगों के राहत एवं पुनर्वास के लिए उदारतापूर्वक योगदान देने की अपील की। उद्योग जगत को भेजे संदेश में सिद्दरामय्या ने उनसे कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण में मदद करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने उद्योग जगत को लिखे पत्र में कहा, आपदा की व्यापकता और भयावहता को देखते हुये समाज के सभी क्षेत्रों, खास कर उद्योग जगत को उदार रुख अपनाने की आवश्यकता है। उद्योग जगत जरूरत के समय हमेशा आगे रहा है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक विशेष रूप से राहत कार्यों एवं पुनर्निर्माण प्रयासों तथा खाद्य आपूर्ति, विशेष रूप से शीघ्र खराब न होने वाली खाद्य वस्तुओं एवं कपड़ों की आपूर्ति के लिए आर्थिक सहायता की तलाश में है। कांग्रेस नेता ने इस बात को रेखांकित किया कि यह समय एक साथ खड़े होने का है। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत की भागीदारी और योगदान से न केवल तत्काल राहत मिलेगी, बल्कि प्रभावित क्षेत्रों के दीर्घकालिक पुनर्वास में भी मदद मिलेगी। कर्नाटक सरकार ने राहत प्रयासों के समन्वय के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया है, तथा यह सुनिश्चित किया है कि सभी योगदान का इस्तेमाल प्रभावी एवं पारदर्शी तरीके से किया जाए। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि उत्तरी केरल के वायनाड जिले में एक दिन पहले हुए भीषण भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़ कर 158 हो चुकी है। सूत्रों ने बताया कि मरने वालों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो सकती है।

सीबीआई ने शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में जयहिंद चैनल के एमडी का बयान दर्ज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/तिरुवनंतपुरम। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बेंगलूरु में कांग्रेस संचालित जयहिंद टीवी' चैनल के प्रबंध निदेशक (एमडी) को तलब किया है और पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति के मामले में उनका बयान दर्ज किया है। संपर्क किये जाने पर केरल के समाचार चैनल के प्रबंध निदेशक बी एस शिजू ने बुधवार को कहा कि वह मंगलवार को सीबीआई अधिकारियों के समक्ष पेश हुए क्योंकि जांच एजेंसी ने उन्हें बुलाया था। सीबीआई ने 19 जुलाई को चैनल को एक नया नोटिस जारी कर शिवकुमार द्वारा चैनल में किए गए निवेश का ब्योरा मांगा था।

उन्होंने कहा कि सीबीआई ने शिवकुमार के परिवार के सदस्यों के निवेश को लेकर भी स्पष्टीकरण मांगा है। शिजू ने कहा, न तो डी के शिवकुमार की पत्नी और न ही बच्चों ने चैनल में कोई निवेश किया है। मैंने अधिकारियों के समक्ष यह बात स्पष्ट कर दी है।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री द्वारा आय से अधिक संपत्ति मामले में उनके खिलाफ सीबीआई की प्राथमिकी को चुनौती देने वाली याचिका को उच्चतम न्यायालय द्वारा खारिज किए जाने के कुछ दिन बाद यह नोटिस जारी किया गया था। शिजू ने कहा कि वह एजेंसी के कार्यालय में लगभग एक घंटे तक रहे और उन्होंने मांगे गए सभी दस्तावेज उपलब्ध करा दिए। उन्होंने कहा कि छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। केरल में कांग्रेस नेता शिजू ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हां, डी के शिवकुमारजी ने हमारे चैनल में निवेश किया है। इसमें कुछ भी गैर कानूनी नहीं है। सब कुछ कानूनी शर्तों के तहत किया गया। सौदे के सभी रिकॉर्ड हमारे पास हैं। मैंने मांगे गए दस्तावेज जमा कर दिए हैं और अधिकारियों के सवालों पर स्पष्टीकरण दे दिया है।

उन्होंने कहा कि सीबीआई ने शिवकुमार के परिवार के सदस्यों के निवेश को लेकर भी स्पष्टीकरण मांगा है। शिजू ने कहा, न तो डी के शिवकुमार की पत्नी और न ही बच्चों ने चैनल में कोई निवेश किया है। मैंने अधिकारियों के समक्ष यह बात स्पष्ट कर दी है। सीबीआई ने शुरू में नोटिस जारी किया था और शिजू को इस संबंध में सभी विवरणों के साथ 11 जनवरी को उपस्थित होने को कहा था। इसके बाद 19 जुलाई 2024 को एक और नोटिस भेजा गया, जिसमें शिजू को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए कहा गया था।

सीबीआई ने 2020 में शिवकुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया था जिसमें आरोप लगाया गया था कि 2013 से 2018 के बीच उन्होंने 74 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति अर्जित की थी, जो कथित तौर पर उनकी आय से अधिक है। इस अवधि के दौरान वह पिछली कांग्रेस सरकार में मंत्री थे। सीबीआई ने तीन सितंबर, 2020 को प्राथमिकी दर्ज की थी। शिवकुमार ने 2021 में प्राथमिकी को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

समीक्षा

बुधवार को नई दिल्ली में कर्नाटक भवन में केंद्रीय जल शक्ति और रेलवे विभाग राज्य मंत्री वी. सोमन्ना के साथ कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने परामर्श किया। इस मौके पर गौरव गुप्ता, उमाशंकर, तुषार गिरिनाथ, राजेंद्र चोलन जैसे वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शिवकुमार ने खट्टर से मुलाकात कर कर्नाटक में यातायात, ठोस कचरा प्रबंधन के मुद्दों पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने राज्य में यातायात जाम की समस्या को दूर करने, ठोस कचरा प्रबंधन और बेंगलूरु उपनगरीय रेल परियोजना के विस्तार जैसे विभिन्न मुद्दों पर बुधवार को चर्चा की। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, शिवकुमार के साथ बैठक के दौरान खट्टर ने कर्नाटक के विकास के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया तथा विभिन्न पहल में सहायता की पेशकश की।

केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के अंतर्गत कर्नाटक को बसें आवंटित करने का भी वादा किया, जिससे राज्य में सार्वजनिक परिवहन की सुविधा और बेहतर होगी।

बयान के मुताबिक, इसके अलावा केंद्रीय मंत्री ने ठोस कचरा प्रबंधन में क्रांतिकारी बदलाव लाने तथा राज्य में कुशल और टिकाऊ प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए कूड़े से ऊर्जा उत्पन्न करने की परियोजनाओं को लागू करने के महत्व पर बल दिया।

एलएंडटी को बेंगलूरु के पास वाहन संयंत्र के निर्माण का ठेका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने बुधवार को कहा कि उसे बेंगलूरु के पास वाहन संयंत्र के निर्माण का ठेका मिला है। कंपनी ने बीएसई को दी गई नियामकीय सूचना में कहा कि यह परियोजना लार्सन एंड टुब्रो के भवन और कारखाना कारोबार बिजनेस खंड को मिली है। संयंत्र का निर्माण इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल के मानदंडों का पालन करते हुए बेंगलूरु के पास किया जाएगा।

कंपनी के पास विभिन्न क्षेत्रों के लिए सभी प्रकार की इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) परियोजनाओं को शुरू करने की विशेषज्ञता और अनुभव है। लार्सन एंड टुब्रो 27 अरब डॉलर का भारतीय बहुराष्ट्रीय उद्यम है जो ईपीसी परियोजनाओं, हाई-टेक विनिर्माण और सेवाओं में कार्यरत है।

इन्फोसिस जीएसटी मांग को लेकर नोटिस3

बेंगलूरु/नई दिल्ली। देश की दूसरी सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस को लगभग 32,403 करोड़ रुपये कथित जीएसटी चोरी को लेकर नोटिस मिला है। कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में कहा कि कर्नाटक राज्य जीएसटी प्राधिकरण ने लगभग 32,403 करोड़ रुपये जीएसटी (माल एवं सेवा कर) भुगतान को लेकर नोटिस दिया है। यह मामला जुलाई, 2017 से मार्च, 2022 के बीच का है।

IN THE COURT OF THE PRL.SENIOR CIVIL JUDGE AND M.A.C.T AT CHAMARAJANAGAR
M.V.C. No:401/2023
Petitioner: Mahesha. S s/o Narayana, Aged about 29 years Aralipura village, Hebbasooru Chamarajanagara Taluk and District
v/s
respondent : Nivash ram and another, (1st respondent) : Nivash ram s/o Ganpat ram, Aged about 40 years, Shop No. 04, Jai Bhawani Nagar, Jhotwa, Jaipur, Rajasthan- 302012
NOTICE
The petitioner filed the above petition for compensations against the Respondents. The 1st Respondent has not received the summons issued issued by this hon'ble court. Therefore, the 1st Respondent Nivash Ram is hereby directed to appear before this Hon'ble court on 11-09-2024 at 11a.m either personally or through your counsel, failing which you will be placed exparte and futher steps will be taken in accordance with law.
Given under my hand and seal of the court of this 24/07/2024.
N.M. Mahadeva
Advocate for the petitioner
Date: 24-07-2024
Place: chamarajanagar
BY ORDER OF THE COURT
SENIOR CIVIL JUDGE AND
C.J.M.'s COURT
CHAMARAJANAGAR

हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने राज्यपाल के रूप में शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने बुधवार को राजस्थान के राज्यपाल के रूप में शपथ ली। राजभवन में आयोजित एक समारोह में राजस्थान के मुख्य न्यायधीश मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव ने बागड़े को राज्यपाल पद की शपथ दिलाई। बागड़े ने हिन्दी में ईश्वर के नाम पर राज्यपाल पद की शपथ ली। समारोह की शुरुआत में मुख्य सचिव सुधांश पंत ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा जारी राज्यपाल की नियुक्ति पत्र को पढ़कर सुनाया। शपथ लेने के बाद नवनियुक्त राज्यपाल बागड़े को राजभवन में 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी व डॉ. प्रेमचंद बैरवा, केन्द्रीय मंत्री, राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य, विधानसभा में प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली तथा अन्य जन प्रतिनिधि, न्यायाधीश, प्रशासन व पुलिस के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

राजस्थान के मनोनीत राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े बुधवार को यहां गोविन्द देवजी मंदिर में पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की मंगल और खुशहाली की कामना की।

बागड़े ने मंदिर में भगवान के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना कर यह कामना की। उनके गोविन्द देवजी मंदिर पहुंचने पर प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने उनकी अगवानी की और उन्हें भगवान गोविन्द देव की तस्वीर भेंट की।

पिकअप वाहन पलटने से दो लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के चूरू जिले में बुधवार को स्कूली बच्चों से भरा एक पिकअप वाहन पलटने से एक बच्चे सहित दो लोगों की मौत हो गई जबकि 27 अन्य बच्चे घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि साहवा थाना क्षेत्र में मेघसर से झाड़सर गजिया रोड पर स्कूली बच्चों से भरा एक पिकअप वाहन पलटने से एक ब च्चे सहित दो लोगों की मौत हो गयी जबकि 27 अन्य बच्चे घायल हो गये। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान कृष्ण मीणा (50) और आदित्य (12) के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि घायलों में से 20 बच्चों को तारानगर के उप जिला अस्पताल में, पांच बच्चों को निजी अस्पताल में, एक बच्चा साहवा में और गंभीर रूप से घायल एक बच्चे को जयपुर स्थानांतरित किया गया है।

अनुराग ठाकुर ने जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया वह निंदनीय : सचिन पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में जिस प्रकार के शब्दों का इस्तेमाल किया वह निंदनीय है। उन्होंने कहा कि संसद में बैठे लोगों को ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। पूर्व उपमुख्यमंत्री पायलट ने टोंक में संवाददाताओं से कहा, ''मुझे बड़ा खेद है कि जिस प्रकार के वक्तव्य कल सदन में दिये गये। विपक्ष के नेताओं द्वारा राहुल गांधी को निशाना बनाया गया जाति, धर्म, समाज की बात करना संसदीय प्रणाली में शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा, भाजपा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव परिणामों को पचा नहीं पा रही है। इसलिये राहुल गांधी को निशाना बना रही है। कल (मंगलवार) सदन के अंदर अनुराग ठाकुर ने जिस प्रकार के शब्दों का प्रयोग किया वह निंदनीय है।

पायलट ने कहा, इस प्रकार की भाषा का प्रयोग मैं समझता हूं किसी को नहीं करना चाहिए खासतौर पर उन लोगों को, जो संसद में बैठे हैं। पूर्व कांग्रेस विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा द्वारा हाल ही में भाजपा से इस्तीफा दिए जाने पर पायलट ने कहा, मुझे लगता है और भी बहुत से ऐसे लोग होंगे जो उस प्रणाली में फिट नहीं बैठ पायेंगे। बैरवा इसी साल भाजपा में शामिल हुए थे। कांग्रेस नेता ने कहा सबको साथ लेकर चलने की विचारधारा अगर किसी दल में है तो वो कांग्रेस पार्टी में है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी का सबसे बडा वादा तो यह था कि हम जनगणना कराएंगे, दूसरा किसानों के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का कानून बनाएंगे ... दोनों बातों को केंद्र की सरकार ने नकार दिया और इसका खामियाजा उनको उठाना पड़ेगा क्योंकि यह जनता की मांग है।

लोकायुक्त संस्था को सशक्त बनाने का प्रयास कर करेगी राजस्थान सरकार : जोगाराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

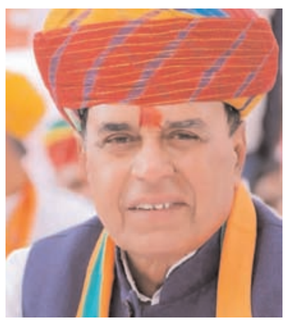

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश सरकार लोकायुक्त संस्था को सशक्त बनाने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि लोकायुक्त द्वारा मुकदमों का निरन्तर निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ निस्तारण किया जा रहा है और राज्य सरकार द्वारा लोकायुक्त संस्था को सशक्त बनाने के लिए प्रयास किये जाएंगे। संसदीय कार्य मंत्री, लोकायुक्त राजस्थान के 35वें वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2023 पर सदन में हुई चर्चा के बाद जवाब दे रहे थे।

उन्होंने बताया कि राजकीय संस्थाओं व सार्वजनिक उपक्रमों में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए वर्ष 1973 में राज्य में लोकायुक्त संस्था की स्थापना की गई। मंत्री ने बताया कि लोकायुक्त संस्था प्राप्त शिकायत की जांच कर अपना निष्कर्ष राज्यपाल को प्रस्तुत करती है, जिसके बाद राज्यपाल द्वारा प्रतिवेदन मुख्यमंत्री को व मुख्यमंत्री द्वारा विभाग को भेजा जाता है। विभाग अपने स्तर पर जांच के बाद सम्बन्धित लोक सेवक के खिलाफ कार्रवाई का निर्णय करता है।

उन्होंने कहा कि पंचायत राज एवं नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायतों के सम्बन्ध में पहले से ही संबंधित अधिनियमों में प्रावधान है, इसलिए इन्हें लोकायुक्त के दायरे में लाने की आवश्यकता नहीं लगती है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि शिकायतों की संख्या घटने तथा बढ़ने का भ्रष्टाचार से सीधे तौर पर सम्बन्ध नहीं है। उन्होंने बताया कि शिकायत के साथ शपथ पत्र देने व शिकायत झूठी पाये जाने पर कार्रवाई के प्रावधान से शिकायतों की संख्या में कमी आई है। पटेल ने बताया कि वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल में किसी भी मंत्री अथवा विधायक के खिलाफ शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि एक जनवरी 2023 से 31 दिसंबर, 2023 तक लोकायुक्त सचिवालय को कुल 4041 शिकायतें मिलीं जबकि एक जनवरी 2024 के बाद महज 951 नये मामले आए।

इस दौरान 944 शिकायतों का निस्तारण किया गया। मंत्री ने बताया कि एक जनवरी 2023 को लोकायुक्त सचिवालय में कुल 3936 परिवाद थे, जो वर्ष के अंत तक बढ़कर 5999 हो गए। इनमें से महज 1958 का ही निस्तारण हो सका। संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि वर्तमान में लोकायुक्त सचिवालय में कुल 99 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 79 पद भरे हुए हैं व कामकाज सुचारू रूप से जारी है। अतिरिक्त कर्मियों से लिए प्रस्ताव प्राप्त होने पर इस सम्बन्ध में उचित निर्णय किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लोकायुक्त सचिवालय को तकनीकी स्टाफ उपलब्ध करवाने पर भी गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

मजबूत बुनियादी ढांचा विकसित राज्य की आधारशिला : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बुनियादी ढांचा एक विकसित राज्य की आधारशिला होता है। राज्य सरकार द्वारा इस आधारशिला को मजबूती देने के लिए बजट में स्वास्थ्य-शिक्षा के साथ सड़कों एवं बुनियादी ढ़ांचे के विकास पर भी जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में 5 साल के रोडमैप के साथ विकसित राजस्थान-2047 की संकल्प सिद्धि को पूरा करने की कटिबद्धता दिखाई गई है।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर बजट सौगातों के लिए पचपदरा विधानसभा क्षेत्र से आए निवासियों की आभार सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने कार्यकाल के अंतिम बजट में लोक लुभावनी घोषणाएं की लेकिन उन घोषणाओं को धरातल पर नहीं उतारा गया जबकि हमने सरकार गठन के बाद पहले ही बजट में महिला, युवा, किसान, गरीब सहित सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए पर्याप्त प्रावधान किए हैं जो हमारी सरकार के विजन को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधि आमजन की समस्याओं से वाकिफ होने के लिए लगातार आमजन से संपर्क एवं संवाद करें। मंत्री सप्ताह में तीन दिन जयपुर में रहकर जनता की समस्याओं की सुनवाई करें तथा एक दिन विधायकों की सुनवाई के लिए रखें। उन्होंने कहा कि विधायक प्रत्येक 15 दिन में तथा मंत्री प्रत्येक 7 दिन में केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए समीक्षा करें।

शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान के विकास की शुरुआत गांव की समृद्धि से होगी। गांवों में शिक्षा, चिकित्सा, सड़क, बिजली सहित आधारभूत सुविधाओं सहित आधुनिक तकनीकयुक्त नवाचार किए जा रहे हैं जिससे गांव का निवासी शहर की तरफ पलायन नहीं करे। शर्मा ने कहा कि आजादी के बाद कुछ राजनैतिक दलों द्वारा झूठे वादे किए गए तथा तुष्टिकरण की राजनीति एवं भ्रष्टाचार कर आमजन को गुमराह किया गया लेकिन पिछले 10 वर्षों से यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में देश में गरीब कल्याण, सीमा सुरक्षा तथा आर्थिक सशक्तीकरण के विभिन्न निर्णय लिए गए हैं जिससे विदेशों में भारत का सम्मान बढ़ा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पचपदरा के विकास के लिए बिजली, रिफाइनरी, चिकित्सा और कृषि प्रसंस्करण के क्षेत्र में अनेक घोषणाएं की हैं। पचपदरा एवं बोरावास में 132 केवी जीएसएस का निर्माण किया जायेगा जिससे इन क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति व्यवस्था बेहतर होगी। साथ ही, पचपदरा रिफाइनरी से निकलने वाले डाउनस्ट्रीम उत्पादों पर आधारित उद्योगों के लिए बालोतरा में राजस्थान पेट्रो जोन (आरपीजेड) की स्थापना होगी।

यह कदम क्षेत्र की आर्थिक तरक्की में अहम साबित होगा। उन्होंने कहा कि रणछोड़राय खेड़ तीर्थ में विभिन्न विकास कार्य करवाएंगे। अनूपगढ़, खेतड़ी, भिवाड़ी, बालोतरा, नाथद्वारा, रतनगढ़ व शाहपुरा (जयपुर) सहित 30 आईटीआई में आधारभूत सुविधाएं तथा बालोतरा जिला अस्पताल के भवन निर्माण के कार्य किए जायेंगे। इस दौरान विधायक अरूण चौधरी तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने पचपदरा क्षेत्र को बजट में दी गई सौगातों के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद व्यक्त किया। कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों ने मुख्यमंत्री का साफा पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पचपदरा विधानसभा क्षेत्र के निवासी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ियों में सप्ताह में तीन बार दूध देने की बजट घोषणा को लागू करे : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने आंगनबाड़ियों में आने वाले बच्चों को सुपोषण के लिए सप्ताह में तीन बार दूध दिए जाने की बजट घोषणा को शीघ्र लागू करने के लिए तत्परता से काम करने के निर्देश दिए हैं। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने अपनी अध्यक्षता में बुधवार को शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में ये निर्देश दिए। बैठक में शासन सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग डॉ. मोहनलाल यादव, निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं ओम प्रकाश बुनकर व निदेशक श्रीमती बिन्दु करुणाकर उपस्थिति रहे।

उप मुख्यमंत्री ने महिला बाल विकास विभाग की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति के संबंध में चर्चा करते हुए कहा कि सप्ताह में तीन बार दूध देने की योजना के लागू होने पर बच्चों का पोषहार के प्रति आकर्षण बढ़ेगा , उन्हें बेहतर पोषण मिलेगा तथा उनकी उपस्थिति में बढ़ोतरी होगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आंगनबाड़ी पर आने वाले बच्चों में पोषण बढ़ाने के लिए नवाचर किये जाएं जिससे बच्चों के बेहतर पोषण को सुनिश्चित करने के संकल्प को पूर्ण किया जा सके। उन्होंने पोषाहार और पूरक पोषाहार की रेसिपी पर चर्चा कर निर्देश दिए कि पोषण विशेषज्ञों से सलाह लेकर रेसिपी में आवश्यक संशोधन किये जाएं।

दीया कुमारी ने कहा कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में उस क्षेत्र की आवश्यकता और उपयोगिता के अनुसार पांच-पांच नए आंगनबाड़ी केन्द्र खोले जाने के कार्य को भी शीघ्रता से पूरा किया जाए। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने निर्देश दिए कि आईसीडीएस और महिला अधिकारिता निदेशालय समन्वित रूप से उड़ान योजना को बेहतर बनाने के लिए कार्य योजना बनाकर काम करें।

मजबूत बुनियादी ढांचा विकसित राज्य की आधारशिला : शर्मा

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को कहा कि मजबूत बुनियादी ढांचा विकसित राज्य की आधारशिला होती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के इस वर्ष के बजट में इस आधारशिला को मजबूती देने के लिए स्वास्थ्य-शिक्षा के साथ-साथ सड़कों एवं बुनियादी ढांचे के विकास पर भी जोर दिया गया है। शर्मा, मुख्यमंत्री निवास पर पचपदरा विधानसभा क्षेत्र से आए लोगों की आभार सभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बजट में पांच साल की रूपरेखा के साथ-साथ विकसित 'राजस्थान-2047' की संकल्प सिद्धि को पूरा करने की प्रतिबद्धता दिखाई गई है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने कार्यकाल के अंतिम बजट में लोक लुभावनी घोषणाएं कीं और उन घोषणाओं को धरातल पर नहीं उतारा जबकि हमने अपने पहले ही बजट में महिला, युवा, किसान, गरीब सहित सभी वर्गों के सशक्तिकरण के लिए पर्याप्त प्रावधान किए हैं, जो हमारी सरकार के 'विजन' को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधि आमजन की समस्याओं से वाकिफ होने के लिए लगातार आमजन से संपर्क एवं संवाद करें। उन्होंने कहा कि मंत्री सप्ताह में तीन दिन जयपुर में रहकर जनता की समस्याओं की सुनवाई करें। उन्होंने कहा कि विधायक प्रत्येक 15 दिनों में तथा मंत्री प्रत्येक सात दिनों में केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए समीक्षा करें। शर्मा ने कहा कि 'विकसित राजस्थान' के विकास की शुरुआत गांव की समृद्धि से होगी।

जन जन तक पहुंच रहे हैं थैले : विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग को प्रतिबंधित प्लास्टिक उपयोग नहीं करने एवं प्रतिबंधित प्लास्टिक कैरी बैग्स के स्थान पर कपड़े का थैला उपयोग करने के प्रति जागरूक करने के लिए वृहद स्तर पर चलायी जा रही जन- जागरूकता मुहिम के तहत मंडल के अधिकारियों द्वारा कार्यालय समय के अतिरिक्त स्थानीय निवासियों के घर जाकर उन्हें न केवल कपड़े के थैले वितरित कर रहे है बल्कि प्रतिबंधित प्लास्टिक केरी बैग्स का उपयोग नहीं करने के लिए शपथ भी दिलवा रहे है। इसी मुहिम के तहत अब मंडल के अधिकारी घर- घर तो जा ही रहे है साथ ही व्यापारिक संस्थानों एवं स्थानीय दुकानों पर जाकर भी कपड़े के थैले वितरित कर प्रतिबंधित प्लास्टिक की वस्तुओं का उपयोग नहीं करने की शपथ दिलवा रहे है।

राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव एन विजय ने कहा कि आमजन की अपेक्षित एवं सार्थक भागीदारी के साथ प्रतिबंधित प्लास्टिक मुक्त राज्य की साकार होती संकल्पना बेहद ख़ुशी का विषय है। उन्होंने कहा कि मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कार्यालय कार्यों के अतिरिक्त कपड़े के थैले वितरित कर प्रतिबंधित प्लास्टिक की वस्तुएं उपयोग न करने के लिए शपथ दिलवाना कहीं न कहीं न केवल सम्बंधित नागरिक की पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी को तय करता है बल्कि अपने आस- पास एवं परिवारजनों में भी इस सन्देश को पहुंचाने व जागरूक करने के लिए प्रेरित करता है।

उन्होंने मंडल अधिकारीयों एवं कर्मचारियों द्वारा उक्त मुहीम के तहत किये जा रहे सार्थक प्रयासों की प्रंशसा करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ी के लिए एक स्वस्थ एवं स्वच्छ वातावरण तैयार करना एवं समाज के सभी वर्गों को इस मुहीम में शामिल करना पर्यावरण संरक्षण के प्रति अहम कदम है।

राजसेस के अन्तर्गत खोले गए महविद्यालयों को बंद करने का राज्य सरकार का कोई विचार नहीं : बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उच्च शिक्षा मंत्री प्रेम चन्द बैरवा ने बुधवार को विधानसभा में स्पष्ट किया कि प्रदेश में राजसेस के अन्तर्गत खोले गए महविद्यालयों को बंद करने का राज्य सरकार का कोई विचार नहीं है।

उन्होंने बताया कि इन महाविद्यालयों की विभिन्न मापदण्डों पर समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। राज्य सरकार को समिति की रिपोर्ट प्राप्त हो गई है। उन्होंने आश्वस्त किया कि रिपोर्ट का परीक्षण कर इनके संबंध में शीघ्र ही यथोचित निर्णय लिया जाएगा।

बैरवा ने कहा कि विधान सभा क्षेत्र सूरतगढ़ में राजसेस के तहत खोले गए राजकीय महाविद्यालय बीरमाना को इसी वर्ष 31 अगस्त तक शुरू कर दिया जाएगा। उच्च शिक्षा मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि राजसेस के अन्तर्गत संचालित 303 महविद्यालयों में छात्रों की नामांकन संख्या, उस क्षेत्र में कॉलेजों की प्रभावशीलता एवं नये कॉलेज खोलने के संबंध में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में विहित मानदण्ड आदि के संबंध में जांच एवं समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है।

इससे पहले विधायक डूंगरराम गेदर के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि विगत पांच वर्षों में प्रदेश में कुल 345 (42 राजकीय व 303 राजसेस) महाविद्यालय खोले गये हैं। उन्होंने इनका जिलेवार विवरण सदन के पटल पर रखा।

बैरवा ने बताया कि विधान सभा क्षेत्र सूरतगढ़ में वर्ष 2023 में राजकीय महाविद्यालय बीरमाना (राजसेस) खोला गया। उक्त महाविद्यालय वर्तमान में सहकारी समिति के भवन में अस्थाई रूप से संचालित है। उक्त महाविद्यालय का नवीन भवन निर्माणाधीन है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय को आवश्यकतानुसार मूलभूत सुविधाएं नोडल महाविद्यालय द्वारा उपलब्ध करवायी जा रही हैं। सत्र 2024-25 में गेस्ट फेकल्टी के माध्यम से अध्यापन करवाये जाने हेतु दिशा निर्देश जारी किये जा चुके हैं।

दम्पति की गला काट कर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनू। राजस्थान में झुंझुनू जिले के मंड्रेला इलाके के बजावा गांव में एक सेवानिवृत सूबेदार और उनकी पत्नी का गलाकाट कर हत्या करने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही मंड्रेला एवं पिलानी दो थानों की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची गयी है। पति-पत्नी दोनों घर के बाहर चारपाई पर सो रहे थे। मौके से एफएसएल टीम और खोजी स्वान की टीम सबूत जुटा रही है। पुलिस उपाधीक्षक विकास धींधवाल ने कहा कि बजावा गांव निवासी सेना से सेवानिवृत्त सूबेदार महावीर सिंह (72) एवं उनकी पत्नी भानवती (68) का लहूलुहान शव बुधवार सुबह उनके ही घर में मिला है। दोनों की हत्या गला रेतकर की गई है। मौके पर मंड्रेला एवं पिलानी थाने की पुलिस टीम पहुंच गयी है। आसपास के इलाकों की छानबीन की जा रही है।

रात को पति-पत्नी खेत में बने घर के बाहर चारपाई पर सो रहे थे। बेटा नरेंद्र पूनिया और उसकी पत्नी सोनिया घर के अंदर सो रहे थे। सोनिया सुबह करीब पौने छह बजे उठी। वह बाहर गई तो दोनों के शव देखे। इसके बाद उसने नरेंद्र को जगाया और पूरी जानकारी दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। ग्रामीणों ने बताया कि परिवार की किसी के साथ कोई रंजिश नहीं थी। महावीर सिंह के बेटे नरेंद्र पूनिया की मंड्रेला में मोबाइल शॉप है। उनके दो कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स भी हैं। इनमें से एक कॉम्प्लेक्स अभी निर्माणाधीन है। महावीर प्रॉपर्टी का भी काम करते हैं। पुलिस उपाधीक्षक धींधवाल ने बताया कि घटना की जानकारी महावीर सिंह के भाई पवन को दी गई।

उत्तर प्रदेश : विपक्ष के विरोध के बीच ‘नजूल सम्पत्ति’ विधेयक पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के विरोध के बीच ‘उत्तर प्रदेश नजूल सम्पत्ति (लोक प्रयोजनार्थ प्रबंध और उपयोग) विधेयक’ 2024 ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। विपक्ष ने इस विधेयक को जनहित के खिलाफ करार देते हुए इसे प्रवर समिति के पास भेजने का आग्रह किया। वहीं सत्ता पक्ष के भी कुछ विधायकों ने विधेयक में सुधार की जरूरत बतायी।

संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने विधेयक को सदन में पेश किया। उन्होंने कहा कि जनहित में इस विधेयक को लाने की जरूरत इसीलिए पड़ी क्योंकि समय-समय पर सरकार को जब विकास कार्यों के लिये जमीन की जरूरत हो तो नजूल की जमीन को इस्तेमाल किया जा सके। इस विधेयक का उद्देश्य निजी व्यक्ति या इकाई के पक्ष में पूर्ण स्वामित्व को रोकना है। उन्होंने कहा कि राजस्व परिषद, वन विभाग और सिंचाई विभाग की जमीन इस विधेयक के दायरे में नहीं आयेगी। इसके अलावा केंद्र सरकार की जमीन भी इसके दायरे में नहीं है।

विधेयक में संशोधन के प्रस्ताव पर समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता आरके वर्मा ने कहा कि विधेयक को सदन की प्रवर समिति के सुपुर्द कर दिया जाए, जो अपना प्रतिवेदन एक माह के अंदर सदन में प्रस्तुत करे। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के आने से बहुत सारी विसंगतियां पैदा होंगी। वर्मा ने कहा कि आजादी के बाद मुल्क में बड़े पैमाने पर राजा महाराजा और जमीदारों की जमीनें थीं, जिन पर उन्होंने अपने सिपहसालार और श्रमिकों को बसाया था। उन्होंने कहा कि जब चकबंदी प्रक्रिया लागू हुई तो उनकी जमीन की गाटाबंदी नहीं की गई और उसे सरकारी जमीन मान लिया गया। यह विधेयक कानून बनने के बाद उनको कभी भी वहां से निकाला जा सकता है। सपा सदस्य संदीप पटेल ने कहा कि यह विधेयक संविधान की प्रस्तावना के ही खिलाफ है। साथ ही यह संविधान के अनुच्छेद 14, 21, 141 और 300 का भी उल्लंघन है। यह पूंजी पतियों को लाभ पहुंचाने वाला विधेयक है।

भाजपा सदस्य हर्षवर्धन बाजपेई ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा, वही समाज और देश तरक्की करता है जहां जीवन स्वतंत्रता और संपत्ति की गारंटी होती है। प्रयागराज में नजूल की जमीनों पर ऐसे लोग बसे हैं जो एक कमरे, दो कमरे या तीन कमरे के स्लम (झुग्गी) में रहते हैं। यह लोग अंग्रेजों के जमाने से वहां रह रहे हैं। उन्होंने कहा, एक तरफ तो हम प्रधानमंत्री आवास योजना में लोगों को घर दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हजारों की तादाद में परिवारों से कह रहे हैं कि आप यहां से निकल जाइए यह जमीन हमारी है। यह कहीं से न्याय संगत नहीं है। अगर हम इतनी पुरानी आबादियों से उनकी संपत्ति का अधिकार छीन लेंगे तो यह मेरे हिसाब से सही नहीं है। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने उन्हें टोकते हुए कहा कि आप विधेयक का मसौदा पढ़ें। उसमें संपत्ति का अधिकार किसी से नहीं छीना जा रहा है।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के सदस्य रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने विधेयक पर अपना पक्ष रखते हुए कहा कि यह विधेयक छोटा हो सकता है लेकिन इसके दुष्परिणाम बहुत गंभीर होंगे। उन्होंने कहा, ''मैं सिद्धार्थ नाथ जी और हर्ष जी को धन्यवाद देता हूं। इन्होंने सही तस्वीर सामने रखी है। यह अपनी पार्टी के हित के विषय में सोच रहे हैं।'' सिंह ने कहा, हमारी जानकारी तो यह भी है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय भी नजूल की जमीन पर बना है तो क्या उसको भी खाली कर दिया जाएगा? इस विधेयक से कौन सा विकास किया जाएगा। लाखों लोग बेघर हो जाएंगे। मैं नहीं समझ पा रहा हूं कि किस मजबूरी में और किसके कहने पर, किन अधिकारियों की फीडिंग पर यह विधेयक लाया गया है। यह कहीं से भी ना जनहित में है। ना विपक्ष के हित में है और ना सत्ता पक्ष के हित में है।

नाइंसाफी के बावजूद हम राजग के साथ बने रहे : पूर्व केंद्रीय मंत्री पारस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने बुधवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान उनकी पार्टी राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के साथ ''नाइंसाफी'' हुई लेकिन फिर भी उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ बने रहने का फैसला किया। बिहार में राजग के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे में राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी को एक भी सीट नहीं दिए जाने से नाराज पारस ने केंद्रीय मंत्री से इस्तीफा दे दिया था। पारस, पार्टी की एक बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित कर रहे थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत रामविलास पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी में विभाजन के बाद रालोजपा आस्तित्व में आयी थी।

पारस ने कहा हालांकि लोकसभा चुनाव में हमें बुरा लगा लेकिन हमने अपनी वफादारी नहीं बदली। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा इसे समझेंगे और अगले साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में हमें उचित प्रतिनित्धत्व देंगे। पारस ने यह भी कहा कि अगर विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को उचित सम्मान नहीं मिला तो रालोजपा सभी 243 सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि रालोजपा, राजग की ओर से उन चार विधानसभा सीट में से एक पर चुनाव लड़ना चाहेगी, जहां उपचुनाव होने वाले हैं। ये सीटें संबंधित विधायकों के लोकसभा में निर्वाचित होने के बाद खाली हो गयी हैं।

वाराणसी : उफनती गंगा नदी के कारण दाह संस्कार और गंगा आरती स्थल बदले गए

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में हुई भारी बारिश के कारण गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से यहां मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर दाह संस्कार प्रभावित हुआ है। वाराणसी में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर से घाटों का सम्पर्क टूट गया है। वहीं दशाश्वमेध घाट पर पानी भर जाने के कारण आरती स्थल में भी बदलाव किया गया है।

मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाटों पर पानी बढ़ने से शव दाह के स्थान में भी परिवर्तन किया गया है। जल पुलिस प्रभारी मिथिलेश यादव ने बताया, जहां दाह संस्कार होता था, वहां पानी भर गया है। फिलहाल ऊपरी सीढ़ियों पर दाह संस्कार किया जा रहा है। यादव ने बताया कि गंगा में बढ़ते जलस्तर और पानी के तेज बहाव के कारण बड़ी नावों को सुबह पांच बजे से शाम छह बजे तक ही नदी में जाने की अनुमति दी गई है। नाविकों को क्षमता के अनुसार आधे यात्रियों को ले जाने के निर्देश दिए गए हैं।

नाव पर सवार सभी यात्रियों के लिए लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य है। जल पुलिस और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमें घाटों पर लगातार गश्त कर रही हैं। गंगा आरती का आयोजन करने वाली संस्था गंगा सेवा निधि के शिवम मिश्रा ने बताया, गंगा आरती अब दशाश्वमेध घाट की ऊपरी सीढ़ियों पर होगी क्योंकि पानी उस स्थान तक पहुंच गया है जहां आमतौर पर आरती होती है। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है। जिले के अधिकारियों ने बताया कि वाराणसी में जगह-जगह पर बाढ़ चौकियां बनाई जा रही हैं। बाढ़ चौकियों पर उप जिलाधिकारी स्तर के अधिकारियों की तैनाती की जा रही है। उन्होंने बताया कि गंगा किनारे रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम किया जा रहा है।

लोगों को जबरन बेदखल करने और घरों के तोड़ने के मामले में आजम खान बरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के रामपुर में एक अदालत ने यहां डूंगरपुर इलाके में लोगों को उनकी जमीन से जबरन बेदखल करने और घरों को तोड़ने के पांच वर्ष पुराने मामले में समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता आजम खान को बुधवार को बरी कर दिया। राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद खान और पांच अन्य लोगों के खिलाफ वर्ष 2019 में मुकदमा दर्ज किया गया था।

आजम खान पर आरोप था कि उन्होंने लोगों को उनके घरों से बेदखल किया और मकानों को ध्वस्त करने का काम किया। हालांकि अदालत से राहत मिलने के बावजूद खान सीतापुर जेल में ही रहेंगे। खान कई अन्य मुकदमों के सिलसिले में जेल में बंद हैं। पीड़ित इदरीस नाम के व्यक्ति ने थाना गंज में मुकदमा दर्ज कराया था, जिसपर सांसद-विधायक अदालत ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद सभी आरोपियों को बरी कर दिया। सीतापुर जेल में बंद आजम खान स्वास्थ खराब होने के कारण अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश हुए। जिला शासकीय अधिवक्ता सीमा राणा ने बताया, आजम खान और पांच अन्य को इस मामले में बरी कर दिया गया। खान के साथ-साथ ठेकेदार बरकत और चार अन्य को भी इस मामले में बरी किया गया है।

मंदिर में दान किये गये एक करोड़ रुपए लेकर सेवायत फरार

मथुरा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के गोवर्धन कस्बे में स्थित श्री गिरिराज मंदिर में दान में आई एक करोड़ से अधिक की रकम को लेकर एक सेवायत फरार हो गया है। मंदिर के प्रबंधक ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (देहात) त्रिगुण बिसेन ने बुधवार को बताया कि यह मामला गोवर्धन के गिरिराज मंदिर का है जहां का एक सेवायत (सेवक) दिनेश चंद्र सोमवार को मंदिर की दानपेटी में आई एक करोड़ नौ लाख 37 हजार 200 रुपए की रकम बैंक में जमा करने के लिए निकला था, मगर वह वहां नहीं पहुंचा। उन्होंने कहा कि सोमवार को जब काफी देर इंतजार के बाद भी दिनेश मंदिर नहीं लौटा तो उसे कई बार फोन कर सम्पर्क करने का प्रयास किया गया। मंदिर के प्रबंधक चंद्र विनोद कौशिक ने इस सिलसिले में मंगलवार को मुकदमा दर्ज कराया है और आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है।

संतोष कुमार गंगवार ने झारखंड के राज्यपाल के रूप में ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को झारखंड के 12वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। गंगवार (76) को सी. पी. राधाकृष्णन की जगह झारखंड का राज्यपाल बनाया गया है, जबकि राधाकृष्णन को महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

झारखंड उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने गंगवार को पद की शपथ दिलाई। यहां शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मुख्य सचिव एल. खियांग्ते, अन्य मंत्री और कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। गंगवार ने झारखंड के राज्यपाल नियुक्ति होने पर प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार का आभार जताया और कहा कि वह आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की धरती पर आकर बहुत खुश हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''यह राज्य देश में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा और अपने समृद्ध संसाधनों के साथ विकास के शिखर तक पहुंचेगा। मुझे यकीन है कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड प्रगति करेगा।'' बरेली लोकसभा सीट से आठ बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रहे गंगवार अटल बिहारी वाजपेयी और नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकारों में मंत्री रह चुके हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि उन्हें नई जिम्मेदारी दी जाएगी।

गंगवार का चुनावी सफर 1984 में शुरू हुआ था। तब वह पूर्व राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद की पत्नी एवं कांग्रेस उम्मीदवार आबिदा बेगम से हार गए थे। इसके बाद उन्होंने 1989 में फिर से लोकसभा चुनाव लड़ा और पहली बार सांसद बने।

बिहार: शिक्षा विभाग ने कोचिंग संस्थानों की नये सिरे से जांच के दिये निर्देश

पटना/भाषा। दिल्ली में एक कोचिंग सेंटर के ‘बेसमेंट’ में पानी भरने से सिविल सेवा के तीन अभ्यर्थियों की मौत के बाद बिहार शिक्षा विभाग ने बुधवार को राज्य भर के कोचिंग संस्थानों की नये सिरे से जांच के लिए निर्देश जारी किए। बिहार के शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) एस. सिद्धार्थ ने कहा कि बिहार कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) नियमावली के तहत नियमों में भी सुधार किया जा रहा है। सिद्धार्थ ने बुधवार को ‘पीटीआई-भाषा’ से कहा, राज्य के सभी जिलाधिकारियों को अपने-अपने जिलों में कोचिंग संस्थानों द्वारा नियमों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उन केंद्रों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाए, जो मौजूदा मानदंडों का पालन नहीं करते हैं। उन्हें (कोचिंग संस्थानों को) निर्धारित मानकों के अनुसार विद्यार्थियों को सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, शिक्षा विभाग ने मानदंडों के बेहतर अनुपालन के लिए दिशा-निर्देशों को और भी बेहतर बनाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। सिद्धार्थ ने कहा, बिहार कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) अधिनियम, 2010 की प्रासंगिक धाराओं के तहत शक्तियों का उपयोग कर नये दिशा-निर्देश तैयार किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने एससी, एसटी और ओबीसी के अपमान वाले भाषण का समर्थन किया: विपक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी दलों ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने बजट पर चर्चा के दौरान जो टिप्पणियां की वह दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गो का अपमान है। मुख्य विपक्षी दल ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसदीय विशेषाधिकार के हनन को बढ़ावा दिया है।

ठाकुर ने मंगलवार को लोकसभा में बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए जाति जनगणना की मांग को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखे प्रहार किए थे। अपने भाषण के दौरान उन्होंने कहा था, ''जिसकी जाति का पता नहीं, वह जाति जनगणना की बात करता है।'' कांग्रेस सदस्यों ने इसको लेकर गहरी आपत्ति जताई तथा सदन में पुरजोर हंगामा हुआ। राहुल गांधी ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री ने उनका अपमान किया है। ठाकुर की यह टिप्पणी अभी भी कार्यवाही का हिस्सा है, हालांकि उनके भाषण के कुछ अन्य अंश हटा दिए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में दिये गए अनुराग ठाकुर के इस भाषण की मंगलवार को सराहना की थी और कहा था कि इसे अवश्य सुना जाना चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, ''यह भाषण जिसे नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री ‘अवश्य सुनने’ वाला बता रहे हैं, इसमें इनके सांसद ने बेहद ही अपमानजनक, असंवैधानिक और निंदनीय बातें कही हैं। इसका वीडियो साझा करके प्रधानमंत्री ने संसदीय विशेषाधिकार के घोर उल्लंघन को बढ़ावा दिया है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक सांसद और विपक्ष के नेता से उनकी जाति पूछकर संसदीय संवाद एवं चर्चा के स्तर को और नीचे गिरा दिया है। रमेश ने कहा, ''विपक्ष के विरोध पर सभापति जगदंबिका पाल ने आश्वासन दिया कि भाषण के उन अंशों को हटा दिया जाएगा। संसद की कार्यवाही के रिकॉर्ड से हटाए गए भाषण के अंश को संपादित और अपलोड किया जाता है। संसद टीवी ने गैर-संपादित भाषण अपलोड किया और नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री ने इसे सार्वजनिक रूप से शेयर करते हुए इसकी तारीफ की है।'' उन्होंने दावा किया यह भारत के संसदीय इतिहास में एक नई और शर्मनाक गिरावट है तथा यह भाजपा, आरएसएस और नरेन्द्र मोदी के, गहरी जड़ें जमा चुके जातिवाद को दर्शाता है।

‘बड़े दिल वाला’ कप्तान है सूर्यकुमार, जो जोखिम लेने से नहीं डरता : वाशिंगटन सुंदर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

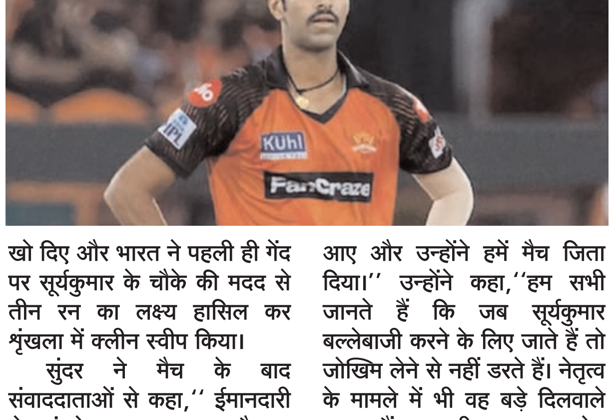

पालेकल/भाषा। ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर ने सूर्यकुमार यादव को ‘बड़े दिल वाला’ कप्तान करार देते हुए कहा कि जोखिम लेने की उनकी अद्भुत क्षमता के कारण ही भारत तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को हराने में सफल रहा।

सूर्यकुमार ने मंगलवार को खेले गए मैच में श्रीलंका की पारी के अंतिम क्षणों में कुछ दिलचस्प बदलाव किए। श्रीलंका को जब 138 रन के लक्ष्य के सामने अंतिम दो ओवर में 12 रन चाहिए थे तब उन्होंने रिंकू सिंह को गेंद थमाई जिन्होंने तीन रन देकर दो विकेट लिए। इसके बाद सूर्यकुमार अंतिम ओवर करने के लिए स्वयं आए और उन्होंने भी दो विकेट हासिल करके स्कोर बराबर करवा दिया। सुपर ओवर में श्रीलंका ने केवल चार गेंदों के भीतर दो विकेट खो दिए और भारत ने पहली ही गेंद पर सूर्यकुमार के चौके की मदद से तीन रन का लक्ष्य हासिल कर श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया।

सुंदर ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा,'' ईमानदारी से कहूं तो यह उनका कमाल है। यह उनकी नेतृत्व क्षमता का कमाल है क्योंकि जीत के लिए जब 12 गेंद पर 12 रन चाहिए थे सब रिंकू सिंह को गेंद सौंपना और वह भी तब जब कुसल परेरा बल्लेबाजी कर रहे हों। रिंकू ने उन्हें आउट किया और सूर्या स्वयं आखिरी ओवर करने के लिए आए और उन्होंने हमें मैच जिता दिया।'' उन्होंने कहा,''हम सभी जानते हैं कि जब सूर्यकुमार बल्लेबाजी करने के लिए जाते हैं तो जोखिम लेने से नहीं डरते हैं। नेतृत्व के मामले में भी वह बड़े दिलवाले कप्तान हैं। इस जीत का सारा श्रेय उन्हें जाता है और (यह) उनका अद्भुत प्रदर्शन था।'' सुंदर ने कहा कि वह सूर्यकुमार ही थे जो इस बात पर जोर देते रहे कि भारत को श्रीलंका पर दबाव बनाए रखने के लिए बीच के ओवरों में विकेट लेने चाहिए, भले ही मेजबान टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी स्थिति में रही। उन्होंने कहा,''सूर्यकुमार हमसे कहते रहे की एक या दो विकेट लेने से मैच की स्थिति बदलेगी। विशेष कर इस तरह के कम स्कोर वाले मैच में जबकि विकेट से मदद मिल रही हो तब बल्लेबाजों पर दबाव होता है। वह हमसे कहते रहे की बीच के ओवरों में एक दो विकेट मिलने से हम मैच में बने रहेंगे और ठीक वैसा ही हुआ।''

सुंदर ने 25 रन बनाने के अलावा दो विकेट भी लिए और उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने कहा कि जब उन्हें सुपर ओवर करने के लिए कहा गया तो वह हैरान और खुश भी थे। उन्होंने कहा,''ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता था कि मैं गेंदबाजी करने जा रहा हूं, लेकिन बल्लेबाजों के बल्लेबाजी करने के लिए जाने के बाद सूर्या पीछे मुड़ा और उन्होंने कहा वाशिंगटन तुम गेंदबाजी करोगे। सच कहूं तो इससे मैं काफी खुश हुआ क्योंकि मुश्किल परिस्थितियों में कप्तान ने आप पर भरोसा दिखाया।''

एमएसपी की कानूनी गारंटी देकर किसानों को कर्ज के चक्रव्यूह से बाहर निकालेगा ‘इंडि’ गठबंधन: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तेलंगाना में कृषि कर्ज माफी का हवाला देते हुए बुधवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन ‘इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस’ (इंडिया) किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी देकर कर्ज के चक्रव्यूह से बाहर निकालेगा।

उन्होंने ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, ''तेलंगाना के किसान भाइयों और बहनों को एक बार फिर बधाई। अपने घोषणापत्र के वादे अनुसार तेलंगाना सरकार ने कृषि कर्ज़ माफी की दूसरी किस्त जारी कर दी है। ‘प्रजालु कांग्रेस सरकार’ प्रदेश के 6.4 लाख किसान परिवारों के 1.5 लाख रुपए तक का कर्ज़ माफ कर उन्हें राहत पहुंचा रही है।'' राहुल गांधी ने दावा किया, ''एक ओर जहां भाजपा ने देश के किसानों को कर्ज़ के चक्रव्यूह में फंसा रखा है, एमएसपी की कानूनी गारंटी की उनकी मांग और ज़रूरत को नकार रही है, वहीं कांग्रेस हर संभव स्थान पर कृषि परिवारों को सहायता पहुंचाने का काम कर रही है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ‘इंडिया’ गठबंधन भारत के किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी का हथियार दिला कर कर्ज़ के इस चक्रव्यूह से बाहर निकाल कर रहेगा।

बीजद की सदस्य ममता मोहंता ने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) की ममता मोहंता ने बुधवार को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफ दे दिया। उच्च सदन के सभापति जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मोहंता का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। ममता मोहंता अप्रैल 2020 को राज्यसभा के सदस्य के रूप में निर्वाचित हुई थीं। वह महिलाओं को शक्तियां प्रदान करने संबंधी समिति और ग्रामीण विकास तथा पंचायती राज मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति की सदस्य थीं। मोहंता सामाजिक न्याय और अधिकारिता संबंधी संसद की समिति की भी सदस्य थीं। उनके इस्तीफे की वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है।

सिंधू पेरिस ओलंपिक महिला एकल प्री क्वार्टर फाइनल में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू ने पेरिस ओलंपिक की महिला एकल स्पर्धा में एस्तोनिया के क्रिस्टीन कूबा को सीधे गेमों में 21 . 5, 21 . 10 से हराकर नॉकआउट दौर में प्रवेश कर लिया ।

रियो ओलंपिक में रजत और टोक्यो में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू ने यह एकतरफा मुकाबला 33 मिनट में जीता । इससे पहले उन्होंने ग्रुप एम के पिछले मैच में मालदीव की फातिमा अब्दुल रज्ज़ाक को 21 . 9, 21 . 6 से हराया था । सभी 16 ग्रुप से शीर्ष खिलाड़ी प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचते हैं । सिंधू ने जीत के बाद कहा ,'' मैं बहुत खुश हूं । ग्रुप में शीर्ष पर रहना जरूरी था । अब सामना ही बिंगजियाओ से होगा । इस जीत से मेरा आत्मविश्वास बढेगा । अगले मुकाबले आसान नहीं होंगे लिहाजा मुझे शत प्रतिशत तैयार रहना होगा ।'' उन्होंने कहा ,'' मैं मैच दर मैच रणनीति बना रही हूं । पदक जीतना है और मुझे खुशी होती है जब लोग कहते हैं कि आपसे हैट्रिक चाहिये । आपसे पदक चाहिये । लेकिन इसके साथ काफी जिम्मेदारी और दबाव भी आता है जिसे हावी नहनीं होने देना है ।'' पहले मैच की ही तरह सिंधू को इस मुकाबले में ज्यादा पसीना नहीं बहाना पड़ा । विश्व रैंकिंग में 73वें स्थान पर काबिज एस्तोनिया की खिलाड़ी 13वीं रैंकिंग वाली भारतीय का सामना नहीं कर सकी । सिंधू ने पहला गेम 14 मिनट में जीता ।दूसरे गेम में कूबा ने चुनौती पेश की लेकिन सिंधू ने हर वार का माकूल जवाब दिया।

सुविचार

अगर कोई आपसे उम्मीद करता है, तो ये उसकी मजबूरी नहीं, आपके साथ लगाव और विश्वास है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इज़राइल कितना तैयार?

फ़िलिस्तीनी चरमपंथी संगठन हमास के राजनीतिक ब्यूरो के प्रमुख इस्माइल हानिया की हत्या से ईरान-इज़राइल संबंधों में तनाव चरम पर पहुंच गया है। भविष्य में इसके नतीजे विस्फोटक हो सकते हैं। ईरान के नए राष्ट्रपति के शपथ-ग्रहण समारोह में शामिल होने के बाद इस्माइल को जिस तरह मौत के घाट उतारा गया, वह इज़राइल का चिर-परिचित तरीका है। हमास ने स्वीकार किया है कि इस्माइल को निशाना बनाने के लिए इज़राइल ने हवाई हमला किया था। हालांकि पिछले साल 7 अक्टूबर को जब हमास ने इज़राइल पर हमला बोला था और कई लोगों की हत्याएं करते हुए सैकड़ों लोगों का अपहरण कर लिया था, उससे स्पष्ट संकेत मिल रहा था कि अब जवाबी कार्रवाई बहुत भयानक होगी तथा जो लोग इस घटना के पीछे हैं, उनके लिए मुश्किलें खड़ी होंगी। इज़राइल ने ऐसा ही किया। उसकी खुफिया एजेंसी मोसाद, जिसकी कार्यकुशलता को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे थे, ने अपने नेटवर्क को मजबूत किया और हमास के रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण ठिकानों की जानकारी जुटाई। उन पर इज़राइली बलों ने भारी बमबारी करते हुए हमास के कई लड़ाकों को मार गिराया और यह सिलसिला जारी है। इस कार्रवाई में कई निर्दोष लोग भी मारे गए, जिसके लिए इज़राइल की खूब आलोचना हुई थी। इज़राइली बलों की कार्रवाई में हमास के छोटे-बड़े लड़ाकों पर हमला होना तो तय था, लेकिन इस संगठन के शीर्ष नेतृत्व तक उनका पहुंचना चौंकाता है। जब ईरान में नए राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान शपथ ग्रहण कर रहे थे, देश-विदेश से चर्चित मेहमान राजधानी में आए हुए थे, सुरक्षा चाक-चौबंद थी, इसके बावजूद इस्माइल पर हमला हो गया!

यह तो वह समय था, जब ईरानी सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों से उम्मीद थी कि वे अपने किसी भी 'मेहमान' की हिफाजत में कोई जोखिम नहीं लेंगे। फिर भी कोई उनके घर में घुसकर इतनी बड़ी कार्रवाई कर गया! भले ही ईरान के 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' की ओर से यह कहा जा रहा हो कि वह मामले की जांच कर रहा है और उसके बाद ही हत्यारे के बारे में बताएगा, लेकिन ईरान में सरकारी मीडिया शीर्ष नेताओं और अधिकारियों के हवाले से साफ कह चुका है कि इसमें इज़राइल का हाथ है। यह कोई बहुत बड़ा रहस्य नहीं है। सात अक्टूबर की घटना के बाद इज़राइल ने कसम खाई थी कि वह 'दोषियों' को दंडित करेगा। आश्चर्य की बात यह है कि ईरानी सुरक्षा बलों के घेरे को भेदकर इज़राइल इस्माइल हानिया तक कैसे पहुंचा! इससे शक की सुई ईरानी बलों के कर्मियों की ओर भी घूमती है। क्या किसी ने इज़राइल तक सटीक सूचना पहुंचाई, जिसके बाद उसने बिना एक पल गंवाए इस्माइल को उसके अंगरक्षक समेत उड़ा दिया? इज़राइल इसी तर्ज पर घातक कार्रवाई करते हुए ईरान के कई सैन्य अधिकारियों, वैज्ञानिकों और महत्त्वपूर्ण पदाधिकारियों को निशाना बना चुका है। अतीत में ईरान में रहकर इज़राइल के लिए जासूसी करते हुए कई लोग पकड़े जा चुके हैं। ऐसे मामलों में ईरान का रवैया बहुत सख्त रहा है। उसने दोषियों पर कोई रहम न करते हुए उन्हें मृत्युदंड दे दिया था। अब ईरान इस्माइल हानिया की हत्या मामले के तार भी जोड़ने की कोशिश करेगा। अधिकारियों पर दबाव है कि वे दोषियों को जल्द सामने लाएं। यह ईरान के शीर्ष नेतृत्व की साख पर भी सवाल है। उसने जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए अपने एक महत्त्वपूर्ण धार्मिक स्थल पर लाल झंडा लगा दिया है, जो बलिदान का प्रतीक माना जाता है। अगर ईरान सीधे इज़राइल से टक्कर लेता है तो उसके लिए कई गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं। चूंकि उसकी अर्थव्यवस्था इस स्थिति में नहीं है कि वह किसी बड़े युद्ध का सामना कर सके। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि इज़राइल को अमेरिका का समर्थन प्राप्त है। अगर ईरान कोई कार्रवाई नहीं करेगा तो जनता में आक्रोश पैदा हो सकता है। ऐसे में इज़राइल पर हमास और इसी श्रेणी के अन्य संगठनों के हमलों की आशंकाओं को बल मिलता है। इज़राइल उनका सामना करने के लिए कितना तैयार है, यह तो वक्त ही बताएगा।

ट्वीटर टॉक

माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागड़े जी को राजस्थान राज्यपाल के रूप में गोपनीयता की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपका अनुभव प्रदेश की प्रगति और समृद्धि के लिए नई राह प्रशस्त करेगा।

-वसुंधरा राजे

चूरू जिले के तारानगर थाना क्षेत्र में स्कूली बच्चों से भरी बोलेरो कैंपर पलटने से हुए हादसे में 2 लोगों की मृत्यु व 29 बच्चों के घायल होने की खबर दुःखद हैं। प्रभु श्री राम जी, दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान एवं शोक संतप्त परिजनों को धैर्य प्रदान करें।

-दीया कुमारी

कांग्रेस की राजनीति सदैव तुष्टिकरण और विभाजनकारी विचारधारा पर आधारित रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को मिले व्यापक जनसमर्थन को इंडिया गठबंधन के नेता अभी तक स्वीकार नहीं कर पाए हैं।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

सद् गुरु में नारायण दर्शन

अठारहवीं सदी की महिला संत सहजोबाई की गुरुनिष्ठा अटूट थी। वह चरणदासी सम्प्रदाय के संस्थापक संत चरणदास जी की शिष्या थीं। सहजोबाई की गुरु भक्ति से प्रसन्न होकर स्वयं नारायण उसकी कुटिया पर पहुंचे। वह चौंकी, 'नारायण आप!' 'हां सहजो, मैं तुम्हारी गुरुभक्ति से अत्यंत प्रसन्न हूं। इसलिए स्वयं दर्शन देने आया हूं।' भगवान ने कहा। 'प्रभु आपने दर्शन देकर बड़ी कृपा की। परन्तु मैंने तो आपके दर्शन की कभी कामना ही नहीं की।' सहजो ने बड़ी सरलता से कहा। भगवान मुस्कुराये, 'सहजो ऐसा तेरे पास क्या है, जो तू मेरे दर्शन की अभिलाषी नहीं है।' सहजो ने कहा, 'मेरे पास मेरा सदगुरु पूर्ण समर्थ है। नारायण! मैंने आपको अपने सदगुरु में पा लिया है। मुझे जब भी परमात्म तत्व का दर्शन करना होता है, अपने सदगुरु के रूप में कर लेती हूं।' 'तुम धन्य हो सहजो! ईश्वरीय प्रेम अत्यंत दुर्लभ है। वह केवल सदगुरु के आगे पूर्ण समर्पण से ही मिलता है। जिस शिष्य को अपने सदगुरु से तुम जैसी प्रीति हो, तुम्हारे जैसी आस्था और विश्वास हो अपने सदगुरु पर उनके लिए परमात्मा का साक्षात्कार कुछ भी दुर्लभ नहीं है।'

सामयिक

पाक के नापाक इरादों को तो कुचलना ही होगा

आर.के. सिन्हा

बीती 26 जुलाई को देश ने कारगिल विजय दिवस मनाया। जाहिर है, इस मौके पर उन शूरवीरों को देश ने भारी मन से और कृतज्ञता के भाव से याद किया, जिन्होंने देश के लिए अपनी जानों का नजराना दिया था। कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर बीते शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लद्दाख में 1999 की जंग के नायकों को श्रद्धांजलि दी। वे कारगिल वॉर मेमोरियल भी गए। करीब 20 मिनट के संबोधन में प्रधानमंत्री जी ने कहा- पाकिस्तान प्रॉक्सी वॉर के जरिए चर्चा में बना रहना चाहता है। उन्होंने अपने इतिहास से कुछ नहीं सीखा। अतीत में आतंकवाद को लेकर उनके हर प्रयास विफल रहे। मैं जहां खड़ा हूं, वहां से आतंक के आकाओं तक मेरी आवाज पहुंच ही रही होगी। उनके मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे।

भारत और पाकिस्तान के बीच कारगिल युद्ध परमाणु युद्ध के खतरे के साये में लड़ा गया था। अब यह स्थापित हो चुका है कि जनरल परवेज मुशर्रफ की अगुवाई में पाकिस्तानी सेना ने भारत को युद्ध में धकेला था। उन्होंने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के कारगिल क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर चुपके से कब्जा भी कर लिया था, जबकि दोनों देशों के तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व शांति स्थापना के प्रयासों में जुटे थे। इसमें फरवरी 1999 में लाहौर घोषणा पर हस्ताक्षर भी शामिल था। तमाम जटिल बाधाओं के बावजूद, भारतीय सेना और वायु सेना ने एक ऐसा अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादियों के वेश में पाकिस्तानी नियमित सैनिकों को खदेड़ दिया गया। भारतीय सैनिकों ने बलपूर्वक अपनी एक-एक इंच जमीन को भी वापस लिया। जबकि, वायु सेना ने दुश्मन की लॉजिस्टिक सुविधाओं और पहाड़ी किलों को निशाना बनाया।

कारगिल में बुरी तरह मार खाने के बाद भी पाकिस्तान सुधरा नहीं। पाकिस्तान की सेना और

खुफिया एजेंसी आईएसआई ने कारगिल से मिले सबक का इस्तेमाल अन्य अपरंपरागत अभियानों को अंजाम देने के लिए किया, जिसमें 2008 के मुंबई हमले, 2016 में पठानकोट और उरी में सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले और 2019 का पुलवामा आत्मघाती हमला भी शामिल हैं। इन हमलों में पाकिस्तान के सुरक्षा प्रतिष्ठानों की भूमिका साफ नजर आ रही थी।

कारगिल और उसके बाद के घटनाक्रमों से साफ था कि पाकिस्तानी सेना ही अपने राजनेताओं द्वारा किये जा रहे शांति के प्रयासों को विफल कर रही है। कारगिल युद्ध के बाद ही परवेज मुर्शरफ राजधानी दिल्ली आए। वे पाकिस्तान की संभवत: पहली बड़ी शख्सियत थे, जो महात्मा गांधी की समाधि राजघाट में पहुंचे थे। यह 17 जुलाई, 2001 की बात है। वे जब भारत आए तब उन्हें सारा भारत कारगिल की जंग की इबारत लिखने वाला ही मानता था। जाहिर है कि इसी कारण उनसे देश नाराज था। बेशक, मुशर्रफ ने अपनी राजनीतिक आकांक्षाओं को परवान चढ़ाने के लिए कारगिल का युद्ध छेड़ा था। उस समय वह पाकिस्तान आर्मी के चीफ थे।

अपनी आत्मकथा 'इन द लाइन ऑफ फायर' में उन्होंने लिखा है कि पाकिस्तानी सेना कारगिल युद्ध में शामिल थी। हालांकि, इससे पहले पाकिस्तान इस तथ्य को छिपाताऔर झुठलाता ही रहा था। दिल्ली में 1943 में जन्में मुशर्रफ ने हार की शर्मिंदगी से बचने के लिए पूरी जिम्मेदारी तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ पर डाल दी थी। चूंकि दिल्ली उनका जन्म स्थान था, इसलिए उनकी उस पहली भारत यात्रा को लेकर जिज्ञासा का भाव भी था। वे जब इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर उतरे तो राजधानी दिल्ली में झमाझम बारिश हो रही थी। उनका राजधानी में पहला अहम कार्यक्रम राजघाट में जाकर महात्मा गांधी को श्रदलांजलि देना था। वे जब राजघाट पहुंचे तब भी बारिश ने उनका पीछा नहीं छोड़ा था। खबरिया चैनलों से दिखाई जाने वाली तस्वीरों से साफ लग रहा था कि वे राजघाट में बेहद तनाव में थे। उन्होंने वहां पर विजिटर्स बुक में लिखा- महात्मा गांधी जीवनभर शांति के लिए कोशिशें करते रहे। कुछ ग्राफोलोजिस्ट (हैंड राइटिंग के विशेषज्ञों) ने परवेज मुर्शरफ की हैंड राइटिंग का अध्ययन करने के बाद दावा किया था कि मुशर्रफ के राजघाट पर विजिटर्स बुक पर लिखते वक्त हाथ कांप रहे थे और वे तनाव में थे।

दरअसल युद्ध हथियारों से ज्यादा हौसलों से लड़े जाते हैं। यह देश ने कारगिल के समय देखा था। सेना तो लड़ती ही है, उसे सारे देश का साथ भी मिलना चाहिए। कारगिल में पाकिस्तान के छल से सारा देश गुस्से में था। कारगिल एक ऐसा युद्ध था जो विश्व की सबसे मुश्किल लड़ाइयों में से एक माना जाता है। भारत के वीर योद्धाओं ने दुश्मन पाकिस्तान को दुर्गम पहाड़ियों की चोटियों से खदेड़ दिया था। हालांकि कारगिल की जंग को जीतने के लिए हमारे लगभग साढ़े पांच सौ शूरवीरों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया था। उनमें परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा भी थे। कैप्टन विक्रम बत्रा ने साहस और शौर्य की लंबी रेखा खींची थी। दुश्मन उनके नाम से कांपते थे। विक्रम ने जुलाई 1996 में भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून में प्रवेश लिया। दिसंबर 1997 में प्रशिक्षण समाप्त होने पर उन्हें 6 दिसम्बर 1997 को जम्मू के सोपोर में सेना की 13 जम्मू-कश्मीर राइफल्स में लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्ति मिली। उन्होंने 1999 में कमांडो ट्रेनिंग के साथ कई प्रशिक्षण भी लिए। पहली जून 1999 को उनकी टुकड़ी को कारगिल युद्ध में भेजा गया। हम्प व राकी नाब स्थानों को जीतने के बाद विक्रम को कैप्टन बना दिया गया।

इसके बाद श्रीनगर-लेह मार्ग के ठीक ऊपर सबसे महत्त्वपूर्ण 5140 चोटी को पाक सेना से मुक्त करवाने की ज़िम्मेदारी कैप्टन बत्रा की टुकड़ी को मिली। कैप्टन बत्रा अपनी कंपनी के साथ घूमकर पूर्व दिशा की ओर से इस क्षेत्र की तरफ बढ़े और बिना शत्रु को भनक लगे हुए उसकी मारक दूरी के भीतर तक पहुंच गए। कैप्टन बत्रा ने अपने दस्ते को पुर्नगठित किया और उन्हें दुश्मन के ठिकानों पर सीधे आक्रमण के लिए प्रेरित किया। सबसे आगे रहकर दस्ते का नेतृत्व करते हुए उन्होनें बड़ी निडरता से शत्रु पर धावा बोल दिया और आमने-सामने की लड़ाई में शत्रु सेना के चार जवानों को मार डाला।

बेहद दुर्गम क्षेत्र होने के बावजूद विक्रम बत्रा ने अपने साथियों के साथ 20 जून 1999 को सुबह तीन बजकर 30 मिनट पर इस चोटी को अपने कब्ज़े में ले लिया।कैप्टन विक्रम बत्रा ने जब इस चोटी से रेडियो के जरिए अपना विजय उद्घोष यह दिल मांगे मोर' कहा तो सेना ही नहीं बल्कि पूरे भारत में उनका नाम छा गया। इसी दौरान विक्रम के कोड नाम शेरशाह के साथ ही उन्हें 'कारगिल का शेर' कहा जाने लगा। कारगिल में कैप्टन विक्रम बत्रा जैसा पराक्रम सारे भारतीय सैनिकों ने दिखाया था। बेशक, कारगिल की हार से पाकिस्तान की आंखें नहीं खुलीं। वह अब भी भारत के खिलाफ रणनीति बनाता ही रहता है। भारत को उसकी नापाक हरकतों पर हर वक्त पैनी नजर तो रखनी ही होगी।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

मंथन

पेड़ पौधों और वनों से एक नहीं अनेकों लाभ

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

जलवायु परिवर्तन के खतरे को लेकर इन दिनों देश और दुनिया में भारी चिंतन और मंथन चल रहा है। वैश्विक तापमान उम्मीद से अधिक तेज गति से बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन से निपटने में पेड़ पौधे मददगार साबित हो सकते हैं, क्योंकि वे कार्बन डाइ ऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और धरती गर्म होने से बचाते हैं। पर्यावरण के प्रति जागरूकता आज समय की मांग है। एक वृक्ष अपने पूरे जीवन में हर तरह से मनुष्य के काम आता है। भोजन प्रदान करने, छाँव देने, घर बनाने को लकड़ी देने से लेकर सांसें लेने के लिये जीवनदायिनी ऑक्सीजन भी देता है। पेड़ पौधों को लेकर कई प्रकार के शोध होते रहते है। हर शोध में पेड़ पौधों को जीवनदाई बताया जाता है। हाल ही एक शोध रिपोर्ट में बताया गया की पेड़ पौधे बेहद संवेदनशील होते है। शोर से पेड़ पौधे मुरझा जाते है और उनकी ग्रोथ पर बुरा असर पड़ता है। मानसून के आते ही लोगों के समक्ष यह दुविधा बन जाती है की इस मानसून में कौन से पौधे लगाएं जो मानव जीवन के लिए हितकारी हो। औषधीय पौधें इम्युनिटी बढ़ाने के साथ हमें विभिन्न प्रकार के रोगों से घर बैठे बचाता है। हमारे बड़े बुजुर्ग आज भी हमें औषधीय पौधों की बात बताते है। बहुत से बड़े बुजुर्ग आज भी अंग्रेजी दवाओं का सेवन नहीं करते और अपने स्वास्थ्य के राज की बातें बताते नहीं थकते मगर अपनी भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में स्वस्थ जीवन के मंत्र की बातें सुनना पसंद नहीं करते। फलस्वरूप विभिन्न शारीरिक रोगों को भोगते हुए जैसे तैसे अपने जीवन की गाड़ी को हांकते है। अपने घरों पर औषधीय पौधे लगाएं तो ये हमें प्राण वायु तो देते ही है साथ ही स्वस्थ जीवन की राह भी दिखाएंगे।

पेड़-पौधे हमारे शरीर में होने वाली विभिन्न बीमारियों से छुटकारा दिलाने के लिए हमें बहुत कुछ दे सकते हैं। प्राचीन काल में मानव ने तरह-तरह के पेड़-पौधों की खोज कर खुद को निरोगी रखा। मानव सभ्यता के विकास के साथ विज्ञान ने हमें नयी नयी ऊंचाइयों तक पहुँचाया, इसमें कोई दो राय नहीं है मगर औषधीय पौधों की महत्ता कभी कम नहीं हुई। भारत में औषधीय गुण वाले असंख्य पेड़-पौधे हैं। भारतीय पुराणों, उपनिषदों, रामायण एवं महाभारत जैसे प्रमाणिक ग्रंथों में इसके उपयोग के अनेक साक्ष्य मिलते हैं। रामायण में संजीवनी बूटी की चर्चा आज भी घर घर में सुनी जा सकती है। बहुत सारी अंग्रेजी दवाइयों में आज भी औषधीय पौधों का मिश्रण किया जाता है। सर्दी, जुकाम, बुखार, बीपी, शुगर, उलटी दस्त जैसी सामान्य बीमारियों से लेकर कैंसर जैसी असाध्य बीमारियों का इलाज भी हमारे औषधीय पौधों में है। यदि इन पेड़ पौधों का हम उचित रखरखाव कर विभिन्न रोगों के इलाज में सही ढंग से उपयोग करें तो ये हमारे स्वस्थ जीवन के लिए बेहद लाभदायक हो सकते है। वनस्पतियां आक्सीजन देकर हमें जीवन प्रदान करती हैं। बिना आक्सीजन के हम जीवित रह ही नहीं सकते और पेड़-पौधे यही जीवनदायिनी आक्सीजन छोड़ते हैं। एक स्वस्थ पेड़ हर दिन लगभग 230 लीटर ऑक्सीजन छोड़ता है, जिससे सात लोगों को प्राण वायु मिल पाती है। वे हमारे द्वारा छोड़ी गई विषैली गैस कार्बन-डाइ-आक्साइड को ग्रहण करते हैं। कुछ पौधे ऐसे भी होते हैं जो रात में भी आक्सीजन छोड़ते हैं। पीपल, नीम, तुलसी, एलोवेरा, एक्समस कैक्टस, सर्पेन्टाइल (स्नेक प्लांट), आर्चिड्स, आरेंजग्रेवेरा आदि ऐसे पेड़-पौधें हैं जो रात में भी आक्सीजन छोड़ते हैं। पेड़-पौधे न रहें तो जिन्दा रहने के लिए साँस और जीवन की धड़कन ही बन्द हो जायेगी। अब भी समय है हम समझे और समझाए की पेड़ पौधे हमारे जीवन के लिए कितने अहम और प्राणदायक है।

पेड़ पौधों और वनों से हमें एक नहीं अपितु अनेकों लाभ है। वन और जीवन दोनों एक-दूसरे पर आश्रित हैं। वनों से हमें शुद्ध ऑक्सीजन मिलता है और मनुष्य और अन्य किसी भी प्राणी का जीवन ऑक्सीजन के बिना नहीं चल सकता। वृक्ष और वन भू-जल को भी संरक्षित करते हैं। जैव-विविधता की रक्षा भी वनों की रक्षा से ही संभव है।

विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए बहुमूल्य वनौषधियां हमें जंगलों से ही मिलती हैं। दुनिया में जनसंख्या वृद्धि, औद्योगिक विकास और आधुनिक जीवन शैली की वजह से प्राकृतिक वनों पर मानव समाज का दबाव बढ़ता जा रहा है। इसे ध्यान में रखकर मानव जीवन की आवश्यकताओं के हिसाब से वनों के संतुलित दोहन तथा नये जंगल लगाने के लिए भी विशेष रूप से काम करने की जरूरत है। मनुष्य के जीवन में वन महत्वपूर्ण रहे हैं। परन्तु जैसे-जैसे सभ्यता का विकास हुआ वैसे-वैसे मनुष्य ने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वृक्षों को काटना आरम्भ कर दिया। वनों की लगातार कटाई होती गई और वातावरण पर भी इसका प्रभाव पड़ा। आज हमारी स्थिति यह हो गई है की वृक्षों की छाव मिलनी भी दुर्लभ हो गई है।

नजरिया

यादों में बसे हैं सावन के झूले

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

सावन को बहुत पवित्र महीना माना जाता है। मान्यता है कि सावन में माता पार्वती ने भगवान शिव की तपस्या करके उन्हें पाया था। सावन दक्षिणायन में आता है जिसके देवता शिव हैं। इसीलिए इन दिनों उन्हीं की आराधना शुभ फलदायक होती है। सावन के महीने में बहुत वर्षा होती है। इसलिये इसे वर्षा ऋतु का महीना या पावस ऋतु भी कहा जाता है।

तुम्हें गीतों में ढालूँगा सावन को आने दो । ऐसे गाने सावन आते ही लोगों की जुबान पर खुद-ब-खुद आ जाते हैं। पहले सावन शुरू होते ही गांव की गलियों से लेकर शहरों तक झूले पड़ते थे। महिलाएं झूला झूलतीं और गाती थीं। सावन व भादो का महीना हमे प्रकृति के और निकट ले जाता है। झूले झूलने के दौरान गाये जाने वाले गीत मन को सुकून देते हैं। झूले गांव के बागीचों, मंदिर के परिसरों में डाले जाते थे।

भारतीय संस्कृति में झूला झूलने की परम्परा वैदिक काल से ही चली आ रही है। श्री कृष्ण राधा संग झूला झूलते और गोपियों संग रास रचाते थे। मान्यता है कि इससे प्रेम बढ़ने के अलावा प्रकृति के निकट जाने एवं उसकी हरियाली बनाये रखने की प्रेरणा मिलती है। एक दौर था जब लोगों को सावन के महीने का बेसब्री से इंतजार रहता था। लड़कियां ससुराल से मायके आती थीं। लेकिन अब ये परंपरा खत्म होती जा रही है। अब न तो झूले पड़ते हैं और न गीत सुनाई देतें है।

सावन शुरू हो गया है लेकिन इसका एहसास ही नहीं हो रहा है। उमंग और खुमारी का संगम इसी महीने में हरियाली तीज पर खत्म होता था। सखियों को सुख-दुख बांटने, साथ बैठकर मेंहदी लगाने की परंपरा फिर गीत गाना सब गुम हो चुका है। बच्चे अब झूले नहीं वीडियो गेम में मस्त रहते हैं। महिला संगठन भी अब किटी पार्टी जैसे आयोजनों तक सीमित हैं। झूले की परम्परा लुप्त होने के पीछे सबसे प्रमुख वजह मनोरंजन के भरपूर साधनों का होना भी हैं।

सावन के आते ही गली-कूचों और बगीचों में मोर, पपीहा और कोयल की मधुर बोली के बीच युवतियां झूले का लुत्फ उठाया करती थीं। अब न तो पहले जैसे बाग-बगीचे रहे और न ही मोर की आवाज सुनाई देती है। अब बिना झूला झूले ही सावन गुजर जाता है। वन माफियाओं के चलते गांवों में भी बाग-बगीचे नहीं बचे हैं। जहां युवतियां झूला डाल कर झूल सके। अब समय के साथ पेड़ गायब होते गए और उनके स्थान पर बहुमंजिला इमारतों के बनने से आंगन का अस्तित्व समाप्त हो गया। ऐसे में सावन के झूले भी यादें बनकर हमारी परम्परा से गायब हो रहे हैं। जन्माष्टमी पर मंदिरों में सावन की एकादशी के दिन भगवान को झूला झुलाने की परम्परा जरूर अभी भी निभाई जा रही है। आज के समय में सावन के झूले नजर नहीं आने का कारण जनसंख्या घनत्व में वृद्धि के साथ ही वृक्षों की कटाई हैं। लोग अब घर की छत पर या आंगन में लोहे के झूले पर झूलकर मन को संतुष्ट कर रहे हैं। बुद्धिजीवी वर्ग सावन के झूलों के लुप्त होने की प्रमुख वजह सुख सुविधा और मनोरंजन के साधनों में वृद्धि को मान रहे हैं।

सावन में झूला झूलना मात्र आनंद की अनुभूति नहीं कराता अपितु यह स्वास्थ्यवर्धक प्राचीन योग भी है। सावन में चारो तरफ हरियाली छाई होती है। हरा रंग आंखों पर अनुकूल प्रभाव डालता है। इससे नेत्र ज्योति बढ़ती है। झूला झूलते समय श्वांस-उच्छवास लेने की गति में तीव्रता आती है। इससे फेफड़े सुदृढ़ होते हैं। इसके साथ ही झूलते समय श्वांस अधिक भरा, रोका एवं वेग से छोड़ा जाता है। इससे नवीन प्रकार का प्राणायाम पूर्ण हो जाता है जो स्वास्थ्य वर्धक है। झूलते समय रस्सी पर हाथों की पकड़ सुदृढ़ होती है। इसी प्रकार खड़े होकर झूलते समय झूले को गति देने बार-बार उठक-बैठक लगानी पड़ती हैं। इन क्रियाओं से एक ओर हाथ, हथेलियों और उंगलियों की शक्ति बढ़ती है वहीं दूसरी ओर हाथ-पैर और पीठ-रीढ़ का व्यायाम हो जाता है।

गांवों की बुजुर्ग महिलायें बताती हैं कि सावन आते ही बेटियां ससुराल से मायके बुला ली जाती थीं और पेड़ों पर झूला डाल कर झूलती थीं। त्योहार में बेटियों को ससुराल से बुलाने की परम्परा तो आज भी चली आ रही है। लेकिन जगह के अभाव में न तो कोई झूला झूल पाता है और न ही अब मोर, पपीहा व कोयल की सुरीली आवाज ही सुनने को मिलती हैं। दस साल पहले तक यहां रक्षाबंधन तक झूले का आनंद लिया जाता था। गांव के पेड़ पर मोटी रस्सी से झूला डाला जाता था और सारे गांव की बहन-बेटियां झूलती थीं। अब पेड़ ही नहीं हैं तो झूला कहां डालें। सावन के महीने में नवविवाहित महिलाओं को अपने मायके जाने की परम्परा राजस्थान में तो आज भी चली आ रही है।

अब वक्त ने ऐसी करवट ली है कि सावन तो आता है पर अपने रंग नहीं बिखेर पाता। जिस सावन के आते ही नववधु ससुराल से मायके पहुंच जाती थी। अब वैसा सावन नही होता है। झूले की परम्परा लुप्त होने के साथ ही सावन भादों की खुशबू अब कहीं नहीं दिखती है। कुछ स्थानों को छोड़ कर लोग इसका आनंद नहीं ले पा रहे हैं। झूलों के नहीं होने से हमे लोक संगीत भी सुनने को नहीं मिलता है। आधुनिकता की दौड़ में प्रकृति के संग झूला झूलने की बात अब कहीं नहीं दिखती है। आज से दो दशक पहले तक झूलों और मेंहदी के बिना सावन की परिकल्पना भी नही होती थी।

झूला झूलने के खत्म हुए रिवाज के लिए गांवों में फैल रही वैमनष्यता भी जिम्मेदार हैं। पहले गांव के लोग हर बहन-बेटी को अपनी मानते थे लेकिन अब जमाना बदल गया है। जिसके हाथ में रक्षा सूत्र बांधा जाता है वही भक्षक बन जाता है। बाग-बगीचों के खात्मे के साथ जहां मोर-पपीहों की संख्या घटी है वहीं भाईचारे में कमी आई है। नतीजतन झूला-झूलने की परम्परा को ग्रहण लग गया है। पहले संयुक्त परिवार में बड़े-बूढ़ों के सानिध्य में लोग एक दूसरे के घरों में एकत्रित होते थे। आज बढ़ती एकल परिवार की प्रवृति ने आपसी स्नेह को खत्म कर दिया है। महिलाएं सामुदायिक केन्द्रो में जाकर पर्व मनाती हैं। शहरों में अब झूले डालने के लिए जगह की तलाश करनी पड़ती है। अब तो पारम्परिक पहनावा भी आधुनिकता की भेंट चढ़ गया है। अब छुट्टी के दिन लोग परिवार के साथ बाग-बगीचों में जाकर सावन का त्यौहार मनाने की रस्म पूरी करते हैं। वर्षा ऋतु में सावन की खूबियां अब किताबों तक ही सीमित रह गई हैं। अब प्रकृति के साथ जीने की परम्परा भी थमती सी जा रही है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बचाव अभियान

वायनाड जिले में बुधवार को जारी भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद बचाव अभियान जारी है।

एफिल टावर के सामने बना ओलंपिक बीच वॉलीबॉल स्टेडियम प्रशंसकों को सबसे ज्यादा लुभा रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस। ओलंपिक में बीच वॉलीबॉल का स्थल खिलाड़ियों और इस खेल के प्रशंसकों के अलावा दूसरों के लिए भी सबसे बड़ा आकर्षण का केंद्र बना है।

बीच वॉलीबॉल स्टेडियम एफिल टावर के बिल्कुल पास चैंप डे मार्स में बना है और इसका नाम भी एफिल टावर स्टेडियम हैं। यह इन खेलों के सबसे दिलकश स्टेडियमों में एक है।

ओलंपिक पदक विजेता कतर के चेरिफ यूनुसे ने कहा, मुझे नहीं पता कि बीच वॉलीबॉल के आयोजन के लिए इस जगह को किसने चुना। जिसने भी यह तय किया वह भी पदक का हकदार है।'' उन्होंने कहा, '' साइड कोर्ट पर अभ्यास करते समय ऐसा लग रहा था कि हम एफिल टावर के नीचे खेल रहे हैं। हम यहां बीच वॉलीबॉल खेलने की कल्पना भी नहीं कर सकते थे।''

इस स्टेडियम की क्षमता 12,860 दर्शकों की हैं। स्टेडियम में डीजे द्वारा बजाए जा रहे संगीत पर दर्शक मैचों का लुत्फ उठाते हुए खुद को थिरकने से नहीं रोक पा रहे हैं। इस स्टेडियम को देखने के लिए कई मशहूर हस्तियों, राष्ट्राध्यक्षों और राजघरानों से जुड़े लोग भी आ रहे हैं। कनाडा कि दिग्गज खिलाड़ी ब्रांडी विल्करसन ने कहा कि प्रतियोगिता शुरू होने से पहले ही खेल गांव के कई अन्य एथलीट बीच वॉलीबॉल स्थल के बारे में इतनी बातें कर रहे थे कि उन्होंने बहस करने की जहमत नहीं उठाई। उन्होंने कहा, ''हां हमारा स्थल सबसे बेहतर है। मेरे पास कहने के लिए और कुछ नहीं है।''

बीच वॉलीबॉल 1996 में ओलंपिक कार्यक्रम में शामिल हुआ लेकिन जल्द ही यह ग्रीष्मकालीन खेलों के सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक बन गया।

भारत जलवायु संकट के लिए जिम्मेदार नहीं, उसे पश्चिम की गलतियां नहीं दोहरानी चाहिए : राष्ट्रमंडल महासचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रमंडल महासचिव पैट्रीशिया स्कॉटलैंड ने कहा कि भारत जलवायु संकट के लिए ऐतिहासिक रूप से जिम्मेदार नहीं है, लेकिन उसे अपने विकास के दौरान पश्चिमी देशों की 19वीं सदी की प्रदूषणकारी प्रथाओं का अनुकरण नहीं करना चाहिए।

स्कॉटलैंड ने 'पीटीआई-भाषा' को ऑनलाइन एक साक्षात्कार में कहा कि भारत के पास 2.7 अरब लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले राष्ट्रमंडल नामक 56 देशों के समूह के भीतर विशेषज्ञता और प्रौद्योगिकी साझा करके एक न्यायसंगत ऊर्जा परिवर्तन का नेतृत्व करने का अवसर है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत एक नये, स्वच्छ और सुरक्षित विकास मॉडल का उदाहरण पेश कर सकता है, जो 'ग्लोबल साउथ' के लिए आशा की किरण के रूप में काम कर सकता है। 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है। राष्ट्रमंडल महासचिव ने कहा, ''भारत एक विकासशील देश है, जो इस (जलवायु) संकट को पैदा करने के लिए ऐतिहासिक रूप से जिम्मेदार नहीं है। इसलिए, भारत की स्थिति 'ग्लोबल साउथ' के कई देशों के समान है और यह बिल्कुल सच है।'' उन्होंने कहा कि इस संकट का जिम्मेदार न होने के बावजूद भारत भीषण गर्मी, बाढ़ और प्रचंड मानसून सहित गंभीर जलवायु परिणामों का सामना कर रहा है और उसे कार्रवाई करनी चाहिए। स्कॉटलैंड ने कहा, ''भारत के कुछ शहरों में गर्मी का स्तर देखिए, बाढ़ और मानसून को देखिए। हमारे लोग जूझ रहे हैं। इसलिए हम सभी की एक जिम्मेदारी है।'' राष्ट्रमंडल महासचिव ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि भारत को पश्चिम के विकास मॉडल का अनुकरण नहीं करना चाहिए, जो विफल रहा और जलवायु संकट का कारण बना। उन्होंने कहा, ''भारत को उसका अनुकरण क्यों करना चाहिए, जो दूसरों ने पहले किया है... (और) असफल रहे? मुझे बहुत निराशा होगी अगर भारत 18वीं और 19वीं सदी के समाधानों पर लौट रहा है और दूसरों ने जो किया है, उसे दोहरा रहा है।''

स्कॉटलैंड ने कहा, ''ऐसा कहना हमारे लिए सही नहीं होगा, क्योंकि उन्होंने (पश्चिम ने) एक दुःस्वप्न रचा है, जिससे हम अब पीड़ित हैं और मर रहे हैं...। वर्ष 2015 में पेरिस में संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता में, देशों ने जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों से बचने के लिए वैश्विक औसत तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तर के औसत से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने की प्रतिबद्धता जताई थी। वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों, मुख्य रूप से कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन की तेजी से बढ़ती सांद्रता के कारण पृथ्वी की सतह का तापमान पहले ही लगभग 1.2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है।

भारत में अपने आकाओं के जरिए लड़ाकों की भर्ती करना चाहता है आईएसआईएल-के : संरा रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी समूह 'इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड द लेवंत-खोरासान' (आईएसआईएल-के) भारत में बड़े पैमाने पर हमले न कर पाने के बावजूद इस देश में स्थित अपने आकाओं के माध्यम से ऐसे लड़ाकों की भर्ती करना चाहता है जो अकेले ही हमलों को अंजाम दे सकें।

आईएसआईएल, अल-कायदा और उससे जुड़े व्यक्तियों और संस्थाओं के बारे में विश्लेषणात्मक सहायता और प्रतिबंध निगरानी टीम की 34वीं रिपोर्ट मंगलवार को यहां जारी की गई। इसमें कहा गया है कि सदस्य देशों ने चिंता जतायी है कि अफगानिस्तान से पैदा होने वाला आतंकवाद क्षेत्र में असुरक्षा का कारण बनेगा। रिपोर्ट में कहा गया है, ''भारत में बड़े पैमाने पर हमले न कर पाने के बावजूद आईएसआईएल-के देश में अपने आकाओं के जरिए ऐसे लोगों की भर्ती करना चाहता है जो अकेले हमलों को अंजाम दे सके और उसने उर्दू में हिंदू-मुस्लिम द्वेष को बढ़ाने वाली तथा भारत के संबंध में अपनी रणनीति को रेखांकित करने वाली एक पुस्तिका जारी की है।'' इसमें कहा गया है कि आईएसआईएल-के इस क्षेत्र में सबसे गंभीर खतरा बना हुआ है, जो अफगानिस्तान से परे आतंक फैला रहा है, जबकि ''अल-कायदा रणनीतिक संयम बरतता है'' और तालिबान के साथ अपने संबंधों को प्राथमिकता देता है। रिपोर्ट के अनुसार, तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी), तालिबान और भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा (एक्यूआईएस) के बीच समर्थन और सहयोग बढ़ा है। वे अफगानिस्तान में लड़ाकों और प्रशिक्षण शिविर साझा कर रहे हैं और तहरीक-ए-जिहाद पाकिस्तान (टीजेपी) के बैनर तले अधिक घातक हमले कर रहे हैं।

इसमें कहा गया है, ''अत: टीटीपी अन्य आतंकवादी समूहों के लिए एक पनाह देने वाले संगठन में तब्दील हो सकता है। मध्यम अवधि में, टीटीपी और एक्यूआईएस का संभावित विलय पाकिस्तान और अंततः भारत, म्यांमा और बांग्लादेश के खिलाफ खतरा बढ़ा सकता है।'' कुछ सदस्य देशों ने अनुमान जताया है कि आईएसआईएल-के के लड़ाकों की संख्या 4,000 से बढ़कर 6,000 हो गयी है।

बैठक

पटना में बुधवार को राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (आरएलजेपी) के अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस राज्य विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी की बैठक के दौरान बिहार पार्टी अध्यक्ष प्रिंस राज और अन्य के साथ।

फिल्म 'मोहरा' की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह की आने वाली फिल्म मोहरा की शूटिंग शुरू हो गयी है। भोजपुरी फिल्मो के चर्चित फ़िल्म निर्माता एवं निर्देशक अरविन्द चौबे की होम प्रोडक्शन की नई फ़िल्म मोहरा की शूटिंग पिछले दिनों उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुरू हो गई है।

प्रियांसी मूवीज के बैनर तले बन रही फ़िल्म मोहरा में पॉवर स्टार पवन सिंह रफ एंड टफ भूमिका में नजर आयेंगे।फ़िल्म मोहरा में कई भाषाओ की फ़िल्म मे काम कर चुकी अभिनेत्री ईशानी घोष भी नजर आयेंगी।

फ़िल्म मोहरा के लेखक धर्मेंद्र सिंह हैं, जबकि संगीतकार गोविन्द ओझा, प्रियांशु सिंह, आकाश सरगम, डीओपी प्रकाश अन्ना, एक्शन एस मल्लेश का है। निर्देशक अरविन्द चौबे ने कहा, पवन सिंह मेरे लिए हमेशा लकी साबित होते हैं,उनके साथ मैंने कई फिल्में की है, जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रही है हैं।फ़िल्म मोहरा अपने आप में एक बड़ी फ़िल्म है, जिसका टाइटल, कंटेंट और एक्शन इसका यूएसपी है। फ़िल्म मोहरा इस वर्ष की सबसे मेगाबजट की फ़िल्म होंगी। फ़िल्म मोहरा में पवन सिंह, ईशानी घोष, क्वीन शालिनी, रामसुजान सिंह, विकाश मेहता, संजय वर्मा, संजीव मिश्रा की अहम भूमिका है।

नई दिल्ली में बुधवार को 18वीं लोकसभा के दूसरे सत्र के दौरान संसद भवन में जाती भाजपा सांसद कंगना रानौत।

एनटीआर जूनियर ने राजामौली को बताया शानदार डायरेक्टर

मुंबई/एजेन्सी

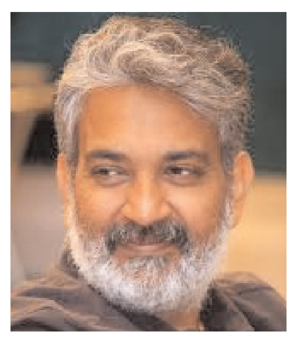

मशहूर डायरेक्टर एस एस राजामौली ने अपनी फिल्मों से रातोंरात कई कलाकार को सुपरस्टार बनाया है। इन दिनों वह अपने ऊपर बन रही डॉक्यूमेंट्री 'मॉडर्न मास्टर्स: एसएस राजामौली' को लेकर चर्चाओं में हैं, जिसमें फिल्म इंडस्ट्री की हस्तियां उनके बारे में बताती नजर आएंगी। इस कड़ी में तेलुगु सुपरस्टार एनटीआर जूनियर ने कहा कि उनके फिल्म 'आरआरआर' के निर्देशक राजामौली न केवल एक अच्छे निर्देशक हैं, बल्कि एक अच्छे अभिनेता भी हैं। वह अक्सर अपने अभिनेताओं को सीन्स के बारे में समझाने के लिए खुद अभिनय करते है। उन्होंने कहा, ''वह कभी कैमरे के सामने नहीं आना चाहते लेकिन वह एक शानदार अभिनेता हैं। हमारे पास जो बेहतरीन निर्देशक हैं, उनमें से वह एक हैं। वह आपको वो करके दिखा सकते हैं जो वह बता रहे हैं।'' एक्टर राम चरण ने भी राजामौली के साथ 'मगधीरा' में काम करने के एक्सपीरियंस के बारे में बात की, जो राजामौली के साथ उनकी पहली फिल्म थी। एक्टर ने बताया कि राजामौली एक दिन लॉन में उनके साथ बैठे और पूछा, ''आप किसमें अच्छे हैं? आपने क्या सीखा है? आपने कौन सी मार्शल आर्ट की है? आपने किस तरह की ट्रेनिंग ली है? मुझे लगता है कि आपने पहले घुड़सवारी की है?'' राम चरण ने बताया कि वह जितना संभव हो सके, उनकी सभी खूबियों को समझने की कोशिश कर रहे थे और यह भी कि उन्हें क्या करना पसंद है।

एक्टर ने कहा, ''मैंने उस दिन लॉन में जिन-जिन खूबियों के बारे में बात की, वे सभी 'मगधीरा' में थीं... वह आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे, ताकि आप नई उपलब्धि को हासिल कर सकें। वह आपको अपने उन पहलुओं से मिलवाएंगे, जिसके बारे में आप खुद अनजान थे।'' प्रभास ने 'बाहुबली' के सेट पर राजामौली के फिल्मों के प्रति डेडिकेशन के बारे में बात की। उन्होंने कहा, जब हम महाबलेश्वर में शूटिंग कर रहे थे, तो उन्होंने सभी के लिए एक बढ़िया होटल बुक किया, जबकि वह खुद कहीं और रह रहे थे। मैंने उनसे कहा, 'हमारे साथ रहो, यह होटल काफी अच्छा है', उन्होंने जोर देकर कहा, 'नहीं-नहीं, मैं बजट बचाना चाहता हूं।' इसलिए वह किसी आम होटल में रुके, जहां न तो बाथरूम साफ था और न ही कुछ सुविधा थी। मैं कभी ऐसे किसी व्यक्ति से नहीं मिला। वह बेहद अलग हैं। सिर्फ वो ही 'बाहुबली' बना सकते हैं।'' डॉक्यूमेंट्री 'मॉडर्न मास्टर्स: एसएस राजामौली' को अप्लॉज एंटरटेनमेंट और फिल्म कंपेनियन स्टूडियो द्वारा निर्मित किया गया है। इस बायोग्राफिकल डॉक्यूमेंट्री के डायरेक्टर राघव खन्ना हैं। इसका प्रीमियर 2 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है।

30 अगस्त को रिलीज होगी सनी लियोनी की फिल्म 'कोटेशन गैंग'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवड अभिनेत्री सनी लियोनी की फिल्म कोटेशन गैंग, 30 अगस्त को रिलीज होगी। सनी लियोनी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कोटेशन गैंग' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं।पहले यह फिल्म जुलाई में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह फिल्म 30 अगस्त को रिलीज होगी। यह फिल्म तीन भाषा हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज होगी। सनी लियोनी ने इंस्टाग्राम पर नई रिलीज डेट की अनाउंसमेंट कर दी है, साथ ही उन्होंने फिल्म में अपने इंटेंस अवतार को दिखाने वाला एक नया मोशन पोस्टर भी शेयर किया है।

सनी लियोनी ने लिखा, 'मुझे अनाउंस करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि 'कोटेशन गैंग' 30 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में आ रही है।

अपने यादगार सिनेमाई अनुभव के लिए तैयार हो जाइए। 'कोटेशन गैंग' में सनी लियोनी के अलावा जैकी श्रॉफ, प्रियामणि, सारा अर्जुन, अशरफ मल्लिसरी, जया प्रकाश, अक्षय, प्रदीप कुमार, विष्णु वारियर, सोनल खिलवानी, कियारा, सतिंदर और शेरिन की भी अहम भूमिका है।

महेश बाबू ने फिल्म 'रायन' में धनुष के अभिनय की सराहना की

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने अभिनेता महेश बाबू ने फिल्म रायन में धनुष के अभिनय की सराहना की है। धनुष की तमिल एक्शन-ड्रामा 'रायन' 26 जुलाई को सिनेमाघरो में रिलीज हुयी है। फिल्म को क्रिटिक और दर्शकों दोनों का ही प्यार मिल रहा है।फिल्म रायन, की 50वीं फिल्म है और फिल्म को उन्होंने खुद निर्देशित भी किया है।

महेश बाबू ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, 'रायन' एक अनूठी और शानदार फिल्म है, जिसमें धनुष ने अभिनय और निर्देशन दोनों में बेहतरीन काम किया है। यह फिल्म दर्शकों को जरूर देखनी चाहिए।रायन एक ऐसी फिल्म है, जो दर्शकों को विचारशीलता और मनोरंजन का सही मिश्रण है।रहमान का संगीत फिल्म से एकदम मेल खाता है और इसकी भावनात्मक गहराई को और भी बढ़ाता है।रायन एक मस्ट-वॉच फिल्म, जो दर्शकों को जरूर देखनी चाहिए।

काम्या पंजाबी ने मुंबई की बदहाल सड़कों पर निराशा जताई

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस काम्या पंजाबी ने मंगलवार को मुंबई के वसई क्रीक इलाके में सड़कों की बदहाल स्थिति को लेकर निराशा जताई। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। काम्या पंजाबी ने इंस्टाग्राम के अपने स्टोरी सेक्शन में एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में भारी बारिश और इलाके में गड्ढों के कारण रोड पर लंबा जाम दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी गंभीर स्थिति के बावजूद कोई भी रेडियो जॉकी (आरजे) अपने प्रोग्राम में इस पर बात नहीं करता। काम्या पंजाबी ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, ''वेलकम टू मुंबई। अजीब बात है कि कोई भी रेडियो जॉकी इस मार्ग के बारे में अपने प्रोग्राम में बात नहीं करता।'' वीडियो को वसई क्रीक लोकेशन के साथ टैग किया गया था। काम्या पंजाबी को 'रेथ', 'अस्तित्व- एक प्रेम कहानी' और 'बनू मैं तेरी दुल्हन' जैसे धारावाहिकों में निगेटिव रोल करने के लिए पहचान मिली। उन्होंने 'पिया का घर', 'मर्यादा: लेकिन कब तक' और 'क्यों होता है प्यार' जैसे शो में पॉजिटिव किरदार भी निभाए हैं। एक्ट्रेस ने 'वो रहने वाली महलों की', 'जीत जाएंगे हम', 'नागिन-वादों की अग्निपरीक्षा', 'दो दिल एक जान', 'बेइंतहा', 'द एडवेंचर्स ऑफ हातिम', 'डोली अरमानों की' और 'शक्ति-अस्तित्व के एहसास की' जैसे शो में भी काम किया है। काम्या पंजाबी ने कंट्रोवर्शियल रियलिटी शो 'बिग बॉस 7' में भी हिस्सा लिया था। उन्होंने हाल ही में शो 'तेरे इश्क में घायल' में नंदिनी की भूमिका निभाई है और वह 'नीरजा- एक नई पहचान' में भी नजर आईं।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने गुरु मिश्री दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं से कहा कि जो आत्मा ऋजु, सरल होती हैं वही एक दिन सर्वश्रेष्ठ के स्थान को प्राप्त करती हैं।

प्रभु आज्ञा को जीवन में धारण करने से पापों का क्षय होता है : साध्वी स्वर्णांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि परमात्मा की वाणी को हमें भीतर उतारना है। जो आत्मा जिनाज्ञा को जीवन में उतार लेता है उसके पाप कर्मों का क्षय होना प्रारम्भ हो जाता है। पहले गुणस्थानक से लेकर चौथे गुणस्थानक तक अहिंसा परमो धर्म: का पालन होता है। जब आत्मा पांचवें गुण स्थानक में प्रवेश करती है तब अहिंसा जयणा प्रधान हो जाती है और धर्म की व्याख्या परिवर्तित हो जाती है। परमात्मा की आज्ञा ही धर्म है यह मानने से पाप कर्म बंधन कम हो जाते हैं। जिनाज्ञा को हमने जीवन में प्रतिष्ठित की है या नहीं यह हमें अवलोकन करना है। जिनाज्ञा पालन से व्यक्ति उदार, कोमल बनता है और कभी भी अपनी बड़ाई नहीं करना यानी उनमें सरलता आ जाती है। यह तीन गुण जिस व्यक्ति में आ जाते हैं तो हमें समझ लेना है कि यह परमात्मा की आज्ञा का पालन करने वाले हैं।

साध्वीजी प्रियसूत्रांजनाश्रीजी ने कहा कि जब हमें मालूम है कि संसार असार है, फिर भी हम इस असार संसार से निकलने का प्रयत्न नहीं कर रहे हैं। जबकि परमात्मा ने इससे निकलने के लिए हमें अनेकों बार उपदेश दिए हैं।

प्रवचन के दौरान मातृछाया महिला ग्रुप के सदस्यों ने संस्था के कार्यों के बारे में धर्मसभा में बताया और दान देने की भावना जागृत करने के उद्देश्य से प्रत्येक घर में रखने लायक दान पात्र वितरित किए।ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने बताया कि दादावाड़ी ट्रस्ट से प्रतिवर्ष डेढ़ सौ से अधिक गौशालाओं को सहायता राशि भी वितरित की जाती है।

'माता-पिता हमारे आंगन की शीतल छाया हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री नयदर्शाश्रीजी व ज्ञेयदर्शाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जो भी व्यक्ति अपने माता-पिता का भक्ति और सत्कार सम्मान आदर करता है वह व्यक्ति हमें सुखी रहता है। उन्होंने बेटे श्रवण कुमार का दृष्टांत देते हुए कहा कि अगर अपने माता-पिता कि भक्ति करना हो तो श्रवणकुमार जैसे अपन काँधे पर डोली में बैठा कर चार धाम की यात्रा कराई थीं। साध्वीश्री कहा कि माता-पिता का उपकार कभी भुलाया नहीं जा सकता है उनके उपकार का बदला कभी चुकाया नहीं जा सकता है अगर अपने शरीर के चमड़े को उतारकर माता-पिता के चप्पलें बनाकर भी अगर दे तभी भी उनके ऋण को हम चुका नहीं सकते है। माता पिता हमारे आंगन के उस वट वृक्ष की तरह होती है फल नहीं दे सकते मगर छाया अवश्य देते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वीर कन्नड़िगा अवार्ड

मैसूरु के पर्यावरण जागृति वेदिके के अध्यक्ष व समाजसेवी महेन्द्रसिंह राजपुरोहित को उनकी समाजसेवा के कार्यों के लिए बेंगलूरु के पंच सितारा होटल में कन्नड़ फ़िल्म निर्माता तरुण सुधीर, कन्नड़ फ़िल्म अभिनेता श्रीमुरली,अभिनेत्री मेघनाराज, नागमंगला विधायक चैलूवाराय स्वामी की ओर से वीर कन्नड़िगा अवार्ड 2024 प्रदान कर सम्मानित किया गया।

'जीवन में ज्ञान रूपी दीपक जलाना अति आवश्यक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री राजेशमुनिजी ने कहा कि हमें ऐसे दीप जलाना है कि हमारा जीवन जगमगा उठे। सर्वप्रथम ज्ञान रूपी दीपक जलाना है और फिर चारित्र रूपी दीप से पाप रहित जीवन पाना है और विनय रूपी दीप से माता-पिता, गुरु की विनय करने की योग्यता पानी है। और आत्म स्वरूप का वास्तविक दर्शन करना है। राजेशमुनिजी ने कहा कि व्यक्ति की कीमत हिम्मत से ही होती है। चिंगारी छोटी होती है, पर वो भी हिम्मत से ज्योति रूप धारण कर चमक उठती है। शंका के कारण ही हमारी तरक्की नहीं हो पाती। हम ऊपर नहीं उठ सकते क्योंकि शंकाओं से भी घिरे रहते है। वह नगर धन्य है जहां संत गण पधारते हैं और प्रभु की देशना देते हैं। हमें गुणों को ग्रहण कर गुणग्राही बनना चाहिए ताकि हमारा जीवन गुणियों जैसा बन सकें और इस बाग रूपी परिषद में हम गुणों की सुगंध फैला सकें। ताकि उस महक से हम और हमारा संघ सुगंधित बने। हम ऐसा व्यवहार करें कि जिससे सांप्रदायिकता को बल नहीं मिले। हमारी भावी पीढी भी हमारा अनुसरण कर गौरवान्वित अनुभव करे। मुनि ने कहा कि प्रभु ने भी सर्वोच्च स्थान संघ को दिया है तो हमारा दायित्व बनता है कि संघ सर्वोपरि रहे। गुरु सदैव समाधान देने वाले होते हैं और श्रद्धालु और ज्ञान पिपासु ही धर्मसभा में आते हैं।

धर्मसभा में वायनाड त्रासदी के मृतकों को दी गई श्रद्धांजलि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गणेश बाग में चातुर्मासार्थ विराजित विनयमुनिजी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए विशेष प्रवचन में कहा कि धर्म की सत्य अन्वेषणा गवेषणा पहले गहराई से करने के बाद आचरण करने का उपदेश देना चाहिए। उत्तराध्ययन के तपोमार्ग नामक 31 वें अध्ययन में महाव्रत धारी के लिए सारा विधान मूल पाठ में दिया है। 12 प्रकार की तपस्या का विस्तार से वर्णन आया है। संघ महामंत्री संपत राज मांडोत ने सभी का स्वागत किया। धर्मसभा में दो दिन पहले वायनाड में हुए प्राकृतिक प्रकोप अति वृष्टि के कारण सभी मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त किए गए।

वायनाड में बुधवार को केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने वायनाड के मूपेन मेडिकल कॉलेज में घायल भूस्खलन पीड़ितों को सांत्वना देते हुए।

सरकारी स्कूल के 12 सौ बच्चों को बांटी पाठ्य सामग्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लायंस क्लब बेंगलूरु मेगा सिटी द्वारा कमलानगर स्थित अटलबिहारी वाजपेई सरकारी विद्यालय में गणवेश एवं नोटबुक्स वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। के. ईश्वरन व मुख्य अतिथि महेन्द्र मुणोत ने दीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा बच्चे राष्ट्र के कर्णधार हैं। समाज की यह जिम्मेदारी है की कोई भी नौनिहाल प्राथमिक शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने लायंस क्लब के सेवा कार्यों की सराहना की। इस मौके पर विद्यालय के 1200 बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई।

राजराजेश्वरीनगर तेरापंथ भवन में युवाओं ने किया जुम्बा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर द्वारा बुधवार को तेरापंथ भवन में फिट युवा-हिट युवा अभियान के तहत जुंबा क्लास का आयोजन किया गया। जुंबा ट्रेनर प्रियंका ने सभी युवाओं को बहुत ही आसान तरीके से जुंबा करवाया जिससे सबका शरीर फिट रह सके और स्वास्थ अच्छा रह सके। अध्यक्ष बिकाश छाजेड़, परिषद प्रभारी विशाल पितलिया, दक्षिण क्षेत्र के अभियान प्रभारी राकेश पोकरणा ने कार्यक्रम की जानकारी दी। अभातेयुप राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम रोज मरा की भाग दौड़ की जिंदगी से अपने लिए कुछ समय निकालना चाहिए। इस कार्यशाला में युवाओं व महिलाओं सहित लगभग 40 लोगों ने लाभ लिया। परिषद मंत्री सुपार्श पटावरी ने धन्यवाद दिया।

राष्ट्र की सुरक्षा में धर्म और समाज की सुरक्षा है निहित : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

विभिन्न सभा- संगठन मिलकर सामूहिक रुप से मनाएंगे स्वतंत्रता दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित शिक्षक सदन में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने राजस्थान और गुजरात के आप्रवासी विभिन्न समाजों और संगठनों के पदाधिकारियों की विशेष सभा में व्यक्त करते हुए कहा कि हर भारतीय में राष्ट्रगौरव की भावना होनी चाहिये। राष्ट्र की सुरक्षा में धर्म, समाज और व्यक्ति की सुरक्षा है। कोई इस भ्रांति में न जीयें कि हमारी प्रगति सिर्फ हमारे परिश्रम और प्रारब्ध के कारण हैं, सच्चाई यह है कि हम सबका अस्तित्व और हमारी उन्नति भारत राष्ट्र की बदौलत है। हर भारतीय के जीने और सोचने का यही तरीका होना चाहिये कि हम मात्र अपने लिये ही नहीं, राष्ट्र के लिये भी कुछ करें। राष्ट्रगौरव की यह अनुभूति ही राष्ट्र को उन्नत और महान बनाती है।

बैठक में सामूहिक स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाने के प्रस्ताव पर आयोजित चिंतन बैठक में आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने आगे कहा कि संगठन में अपार शक्ति है। राष्ट्रीय भावना के साथ संगठित होकर आगे बढ़ने में सबका हित है। एकता और समरसता की भावना से देश, धर्म और मानवता, सभी गौरवांवित होते हैं। सबको साथ देना और सबको साथ लेकर चलना भारतीय संस्कृति का अमर संदेश है। परस्परोपग्रहो जीवानाम् इसी भावना को सार्थक करता सूत्र है।

कांतिलाल चौहान ने बताया कि कल्याण मित्र वर्षावास समिति ने बैठक का आयोजन किया था। राजस्थान व गुजरात के सभी समाजों ने स्वतंत्रता दिवस समारोह को बड़े पैमाने पर सामूहिक रूप से मनाने का संकल्प लिया। चैनसिंह राजपुरोहित व जीतू लुंकड़ ने जानकारी दी कि गणेश सच्चिदानंद आश्रम अवधूत दत्तपीठ के पीठाधीश भी समारोह में उपस्थित रहेंगे। जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के अशोक दांतेवाडिया ने बैठक का संचालन किया। प्रवीण दांतेवाड़िया और गौतम सालेचा ने बताया कि मैसूर का जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन कार्यक्रम का प्रायोजक होगा। भंवरलाल लुंकड़ और वसंत राठौड़ ने जानकारी दी कि इस अवसर पर जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक, स्थानकवासी, तेरापंथी समाज व संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ महाराणा प्रताप राजपूत समाज, राजपुरोहित समाज, सीरवी समाज, राजस्थान विष्णु समाज, राजाराम आंजणा पटेल समाज, प्रजापत समाज, राजस्थान राजपूत समाज, क्षत्रिय घांची समाज, मैसूर पिंजरापोल सोसाइटी आदि अनेक समाज और संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

तेयुप ने टीटीएफ कार्यशाला में दिया आपदा प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। तेरापंथ युवक परिषद द्वारा टीटीएफ कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें जय चोरडिया ने बहुत ही सरल और आसान तरीक़े से आपदा जैसी परिस्थिति में संतुलित रहकर कार्य करने का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने आपदा स्थिति में होने वाले रक्तश्राव, फेक्चर, आग से जलना, बाढ़ आदि से बचने का प्रशिक्षण दिया। किशोर मण्डल संयोजक सार्थक कोठारी और सह संयोजक रौनक़ लुनिया ने व्यवस्था में सहयोग किया। तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष विशाल बोहरा ने सबका स्वागत किया। इस मौके पर तेरापंथ सभा, महिला मण्डल, युवक परिषद और किशोर मण्डल सहित 60 सदस्यों की उपस्थिति रही। सबका आभार मंत्री विनोद भंसाली ने किया।

सरल आत्मा ही सर्वश्रेष्ठ स्थान को प्राप्त करती है : साध्वीश्री धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने गुरु मिश्री दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं से कहा कि जो आत्मा ऋजु, सरल होती हैं वही एक दिन सर्वश्रेष्ठ के स्थान को प्राप्त करती हैं। एक परम पद् मुक्ति के इंसान वो है जिसने घर-बार का त्याग कर सन्यास ले लिया, अपने वस्त्रों का त्याग करके दिगम्बर बन गया, तप ऐसा कि मास मासखमण तप साधना करके फिर पारणा करता है। यदि ऐसे त्यागी के मन में भी यदि कपट-माया का भाव आ जाए तो इसके परिणाम स्वरूप उस त्यागी साधक को अनन्त बार माँ के गर्भ में आना पड़ेगा। और गर्भ के दु:खों को उसे सहन करना पड़ेगा। इंसान मात्र थोड़े से लाभ और फायदे के लिए कपट माया, धोखाधड़ी कर लेता है और इसके बदले अपने जीवन के अनमोल पूंजी ईमान को और धर्म को बेच देने में भी नहीं हिचकिचाता हैं। वक्र आत्मा कभी भी संसार से तिरने वाली नहीं हैं । साध्वी श्री जी ने आगे कहा कि आज जगत के प्राणियों पर माया व कपट का साम्राज्य फैला हुआ है। माया से कोई भी अछूता नहीं है। चारों वर्णों और सभी वर्गों में माया को डेरा है। छल-कपट करना तो इंसान के लिए मामूली बात है। माया कुटिलता का वह विषैला कांटा है जो क्लेश उत्पन्न करती है। धर्मसभा में साध्वी श्री जी ने अंजना सती का चरित्र वांचन किया।

साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने प्रभु महावीर की अंतिमवाणी उत्तराध्ययन सूत्र के तीसरे अध्ययन की 12 वीं गाथा पर सारगर्भित विवेचना करते हुए कहा कि सरल आत्मा की ही शुद्धि होती हैं और शुद्ध आत्मा में ही धर्म ठहरता हैं। उन्होंने संत रैदास के जीवन के एक विशेष प्रेरणादायक घटना-प्रसंग को सुनाते हुए कहा कि जिसके कर्म यानी कार्य अच्छे होते हैं तो उसके लिए तो घर में ही मथुरा, काशी और घर ही तीर्थस्थान बन जाता हैं। जाता है और जिसके लिए इस कहावत का सन्दर्भ दिया कि-मन चंगा तो कठौती में गंगा। जिसके कर्म अच्छे, किस्मत उसकी दासी बन जाती है। धर्मसभा में गुरुभक्त श्रावक गौतमचंद धारीवाल सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया।

व्यावहारिक शिक्षा के साथ साथ संस्कार नितांत आवश्यक : साध्वीश्री विपुलदर्शना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रमण संघ के द्वितीय पट्टधर आचार्य आनंदऋषिजी के 124 वें जन्म दिवस के अवसर पर वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ श्रीरामपुरम में सप्त दिवसीय कार्यक्रम में बुधवार को साध्वीश्री विपुलदर्शनाजी ने संस्कार-मंजिल की बुनियाद पर श्रद्धालुओं को जीवन में संस्कार के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा व संस्कार जिंदगी के दो अंग है और इनके पूर्ण पोषण से ही जीवन में पूर्णता आती है जो मंजिल तक पहुँचने की बुनियाद है। उन्होंने कहा कि बच्चे अनुगामी होते है और वे अपने से बड़ों का अनुसरण करते है अत: पहले घर परिवार के बड़ो को संस्कारी होना होगा। आज अभिभावक बच्चों की व्यावहारिक शिक्षा हेतु तो जागरूक है परंतु धार्मिक शिक्षा में लापरवाह है, व्यावहारिक शिक्षा जीवन के लिये महत्वपूर्ण हैं लेकिन साथ ही भीतर के वैभव के लिये तो संस्कार नितांत आवश्यक है।

अभिभावकों को चाहिये कि वो बच्चों को ऐसे संस्कार दे कि वो आगे चलकर कह सके कि वो सौभाग्यशाली है अत: संस्कारों के लिये पुरुषार्थ की ज्योत जलाये।

साध्वी ने कहा कि बच्चों में संस्कारों का बीज बोने में मां की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। बच्चे मुंह, कान व आंख का उपयोग कैसे कर रहे है इसके प्रति अभिभावकों को सचेत रहना होगा। हम बच्चों को बचपन में जो दिखाते है बच्चे जीवन में आगे वो ही देखते है, अगर बच्चों को बचपन से ही गुरु-भगवंत और धर्म के साथ नहीं जोड़ेंगे तो आगे चलकर वो धर्म से विमुख हो जायेंगे। साध्वी ने माताओं से अनुरोध किया कि वो संस्कार देने वाली माँ बने। संघ के सहमंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि इस मौके पर बेंगलूरु व अन्य शहरों से भी श्रद्धालु उपस्थित थे। संमंत्री अशोककुमार गुगलिया ने बताया कि बुधवार दिन के लाभार्थी किरणराज अमितकुमार कोठारी परिवार रहें। संचालन संघ के अध्यक्ष शांतिलाल खींवेसरा ने किया।

जीतो नार्थ लेडीज विंग की पता निर्देशिका का कार्य तेजी पर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत लेडीज विंग द्वारा पता निर्देशिका का कार्य अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी के नेतृत्व में जीतो कार्यालय राजाजीनगर में तीव्र गति से शुरू हो चुका है। सस हेतु संपादक मण्डल व अन्य समितियाँ का गठन किया गया। संयोजिका मीना बडेरा ने बताया कि सदस्याओं के लिए एड्रेस डायरेक्टरी परिचय प्राप्ति में सहायक बनेगी। सह-संयोजिका संगीता नागोरी में बताया कि परस्पर मिलन व परस्पर परिचय का सशक्त माध्यम है। सदस्याओं के फ़ार्म भरवाने का जिम्मा सारिका जैन और सिंपल हिंगड़ ने लिया है। इसके साथ अनेक सदस्याएं कार्य में जुटे है। 37 सदस्याओं के सहयोग से मात्र सात दिन में 700 से अधिक फ़ार्म भरकर आ चुके है। अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी एवं महामंत्री सुमन वेदमुथा ने कहा कि शीघ्र ही पता निर्देशिका का लोकार्पण होगा।

कैंसर जागरुकता अभियान में मुख कैंसर की दी जानकारी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के तत्वावधान में कैंसर जागरूकता अभियान के तहत बिडदी स्थित किड्स ऑटो फैक्ट्री में कार्यशाला का आयोजन किया गया। अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल ने सभी का स्वागत किया। डॉक्टर इब्राहिम नाग्रूर ने विविध प्रकार के मुंह के कैंसर के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तंबाकू सेवन से किस प्रकार का कैंसर होता है। किड्स ऑटो के प्रमुख अरविंद जाजोदिया ने इस कार्यशाला की सराहना की। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा, लता गादिया, सहमंत्री वीणा पोरवाल, प्रमिला धोका, कोषाध्यक्ष किरण गिलुंडिया, संगठनमंत्री पवनबाई संचेती, संयोजिका इन्दु खवेसरा सह संयोजीका अनिता नाहर आदि सदस्याएं उपस्थित थी। मंत्री ज्योति संचेती ने 40 कर्मचारियों को धन्यवाद दिया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,

(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.

HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com